राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 4 जनवरी 2024 वर्ष–6,अंक–340 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजतिलक होते-होते बनवास हो जाता है, छलका पूर्व सीएम शिवराज का दर्द; लाडली बहनों पर क्या बोले

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लाडली बहनों की योजनाएं भी जारी रहेंगी और भांजे-भांजियों के कल्याण में भी कोई कमी नहीं रहेगी। सीएम ने कहा कि हमने लाडली बहनों के लिए जो कहा है वो करेंगे।

सीहोर। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने नई सरकार बनाई तो मुख्यमंत्री के चेहरे को भी बदल दिया। ऐसी उम्मीद लगाई जा रही थी कि राय में पार्टी अपने लोकप्रिय चेहरे शिवराज सिंह चौहान को ही कुर्सी सौंपेगी। लेकिन बीजेपी ने सबको चौंकाते हुए एमपी में मोहन यादव को अपना नया सीएम बनाया। अब शिवराज सिंह चौहान ने एक जनसभा में कहा कि कई बार राजतिलक होते-होते बनवास हो जाता है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सीहोर में मौजूद थे। यहां वो कई महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लाडली बहनों की योजनाएं भी जारी रहेंगी और भांजे-भांजियों के कल्याण में भी कोई कमी नहीं रहेगी। फिर चाहे वो गरीब हो या किसान हो। पूर्व सीएम ने यहां कहा, हमने लाडली बहनों के लिए जो कहा है वो करेंगे। सरकार भारतीय जनता पार्टी की है कोई कांग्रेस की सरकार थोड़े ही है और अपनी सरकार काम करेगी। किसानों के लिए जो वचन दिए हैं वो पूरे होंगे। प्रत्येक परिवार एक रोजगार और लाडली बहनों से जुड़े कामों को नई सरकार आगे बढ़ाएगी।

इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा, कही ना कही कोई बड़ा उद्देश्य होगा। कई बार राजतिलक होते-होते बनवास हो जाता है। लेकिन वो किसी ना किसी उद्देश्य पूर्ति के लिए होता है। चिंता मत करना मेरी जिंदगी आपके लिए है। जनता-जनार्धन के लिए है। बेटा-बेटियों और बहनों के लिए है। इस धरती पर इसीलिए आया हूं मैं कि आपकी आंखों में आंसू नहीं रहने दूंगा।

पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सीहोर में मौजूद थे। यहां वो कई महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लाडली बहनों की योजनाएं भी जारी रहेंगी और भांजे-भांजियों के कल्याण में भी कोई कमी नहीं रहेगी। फिर चाहे वो गरीब हो या किसान हो। पूर्व सीएम ने यहां कहा, हमने लाडली बहनों के लिए जो कहा है वो करेंगे।

पूर्व सीएम शिवराज ने कहा, मैं बहुत गंभीरता से कह रहा हूं। तुम्हें छोड़कर कभी नहीं जाऊंगा। शिवराज ने भारी मन से कहा कि मुख्यमंत्री के पद तो आ जा सकते हैं, लेकिन मामा और भाई का पद कभी कोई नहीं छीन सकता। शिवराज सिंह ने केंद्र की ओर साफ इशारा करते हुए कह दिया कि मामा आपके बीच ही रहेगा, वही कुछ दिनों से मामा जहा भी जाते हैं, वहा महिलाए उनके गले लिपटकर रोने लगती है, ऐसा नजारा शाहगंज में भी देखने को मिला।

बता दें कि पहले भी शिवराज सिंह के कई बयान सामने आए थे। विधानसभा चुनाव के पहले उन्होंने कहा था, मुझे चुनाव लड़ने को कहा गया। चुनाव के बाद पूर्व सीएम ने कहा था कि मामा ओर भइया से बड़ा कोई पद नहीं। सीएम ने यह भी कहा था, मित्रो अब विदा तस रख दीनी चदरिया। सभी को राम राम।

एससी का अडानी-हिंडनबर्ग विवाद की जांच के लिए एसटीआई बनाने से इनकार

गौतम अडानी ने कहा - सत्य की जीत हुई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अडानी-हिंडनबर्ग विवाद की जांच के लिए कोई एसआईटी या विशेषज्ञों का समूह बनाने से इनकार कर दिया।अडानी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडानी ने ट्वीट करते हुए लिखा- सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पता चलता है कि सत्य की जीत हुई है। मैं उन लोगों का आभारी हूं जो हमारे साथ खड़े रहे। भारत की विकास गाथा में हमारा विनम्र योगदान जारी रहेगा। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, सेबी को कानून के अनुसार अपनी जांच को एक निष्कर्ष तक ले जाना चाहिए। इस मामले में जांच सेबी से हटाने की जरूरत नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील पर कि अडानी समूह की कंपनियों के खिलाफ आरोपों से संबंधित 24 जांचों में से 22 को पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है, पीठ ने बाजार नियामक को तीन महीने में लंबित दो जांचें पूरी करने के लिए कहा। पीठ में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) और हिंडनबर्ग रिसर्च जैसे तीसरे पक्ष के संगठनों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को ÷निर्णायक सबूत÷ नहीं माना जा सकता।

झारखंड के रांची समेत अन्य स्थानों पर ईडी की छापेमारी जारी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू, साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव सहित उनके कई करीबियों के ठिकानों पर ईडी की टीम ने छापेमारी की है।

रातू रोड के शिवपुरी स्थित अभिषेक प्रसाद के घर बुधवार सुबह दो गाड़ियों से ईडी की टीम पहुंचकर छापेमारी कर रही है?। प्रेस सलाहकार के घर के बाहर सुरक्षाबल भी तैनात हैं। किसी को अंदर से बाहर और बाहर से अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर ईडी की टीम मुख्यमंत्री के मित्र कहे जाने वाले विनोद सिंह और आर्टिटेक रौशन के रातू रोड के पिस्का मोड स्थित आवास पहुंचकर छापेमारी कर रही है। इसके अलावा कई अन्य ठिकानों पर भी ईडी की टीम छापेमारी कर रही है।

अवैध खनन के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग करने के मामले में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) की टीम रांची और राजस्थान में 10 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।ईडी सूत्रों ने बताया कि ईडी की छापेमारी अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू (मीडिया सलाहकार, सीएम हेमंत सोरेन), आईएएस रामनिवास यादव (उपायुक्त, साहेबगंज व राजस्थान स्थित आवास), आर्किटेक्ट विनोद कुमार, खोड़निया ब्रदर्स (साहेबगंज), पप्पू यादव (देवघर), डीएसपी राजेन्द्र दूबे (हज़ारीबाग और अन्य जगह) अभय सरावगी (कोलकाता) और अवधेश कुमार के यहां चल रही है।

आबकारी नीति मामला

ईडी के सामने पेश नहीं होंगे केजरीवाल,कहा -समन अवैध, चुनाव प्रचार से रोकना चाहते

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित शराब घोटाले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं होंगे।मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस संबंध में श्रेष्ठ को पत्र लिखकर कहा -ईडी की जांच में सहयोग करने को तैयार हूं लेकिन एजेंसी का नोटिस अवैध है। उनका इरादा अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना है। वे उन्हें चुनाव प्रचार से रोकना चाहते हैं। अरविंद केजरीवाल के ईडी द्वारा भेजे गए समन पर दिल्ली के मंत्री सौरव भारद्वाज ने कहा, ईडी या केंद्र सरकार ने ये नहीं बताया कि वे किस हैसियत से अरविंद केजरीवाल को बुला रहे हैं। ना वे (अरविंद केजरीवाल) गवाह हैं, ना वे

अभियुक्त हैं... समय पर भी सवाल उठते हैं। ठीक लोकसभा चुनाव से पहले जब सभी दल और केंद्र सरकार खुद चुनाव की तैयारी कर रही है। उन चुनावों के कैंपेन से पहले केंद्र सरकार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है... जब चार्जशीट दायर हो चुकी है तो उसके बाद अरविंद केजरीवाल को क्यों बुलाया जा रहा है? सौरभ भारद्वाज ने कहा, मनीष सिसौदिया 1 साल से गिरफ़्तार हैं। वे मनीष सिसौदिया के ख़िलाफ़ कोई सबूत नहीं पेश कर पाए हैं... अब अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ़्तार करने की तैयारी है। देश के जितने भी विपक्षी पार्टीयों के नेता हैं। उनको किसी न किसी मामले में ईडी द्वारा गिरफ़्तार करने की कोशिश की जा रही हैं... भाजपा नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

इससे पहले केजरीवाल को ईडी ने पूछताछ के लिए 2 नवंबर बुलाया था। वो ईडी की पूछताछ में शामिल नहीं हुए और अपने पंजाब समकक्ष भगवंत मान के साथ मध्य प्रदेश के सिंगरौली में एक रोड शो में भाग लिया था।

शीतलहर की चपेट पूरा प्रदेश, अगले 3-4 दिन छाया रहेगा घना कोहरा

जयपुर। इन दिनों पूरा प्रदेश जबरदस्त सर्दी की चपेट में है। राज्य के अधिकांश भागों में कोहरा छाया हुआ है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन के तापमान में काफी गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी राजस्थान श्रीगंगानगर में दिन का तापमान प्रदेश में सबसे कम 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो औसत से 8.4 डिग्री कम है। जबकि पूर्वी राजस्थान के कोटा में दिन का तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रहा। यह भी औसत से 8.4 डिग्री सेल्सियस कम है।

मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक राज्य में अगले 4-5 दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। 8 जनवरी के आसपास नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। अगले 48 घंटों के दौरान जोधपुर और उदयपुर संभागों के अधिकांश भागों को छोड़कर राज्य के ज्यादातर स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने की आशंका है। इस दौरान विजिबिलिटी कहीं-कहीं 200 मीटर से भी कम रह सकती है। प्रदेश में 5-6 जनवरी को भी घना कोहरा छाए रहने की आशंका है।

दो-तीन दिन और बना रहेगा कोल्ड डे:

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 48 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान औसत से 3 से 7 डिग्री सेल्सियस तक कम बने रहने की संभावना

है। उत्तर, पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में 3-4 जनवरी को भी कोल्ड डे रहने की आशंका है। इस दौरान कहीं-कहीं अत्यधिक सर्दी का भी अहसास हो सकता है।

फिर बढ़े कोरोना के मामले, पिछले 24 घंटों में पांच लोगों की मौत; डरा रहा जेएन.1

नई दिल्ली। भारत में बुधवार को कोरोना के 602 नए मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा, पिछले 24 घंटों में पांच मौतें भी हुईं। नए अतिरिक्त मामलों के साथ, वर्तमान में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,440 हो गई है। एक दिन पहले मंगलवार को भारत में कोविड-19 के 573 नए मामले दर्ज किए गए थे। नए साल यानी 1 जनवरी को देश में 636 नए मामले सामने आए थे और तीन लोगों की कोरोना से जान गई थी।

कोविड-19 के सबवैरिएंट जेएन.1 के 312 मामले पाए गए

एक दिन पहले इंडियन सार्स-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में अभी तक कोविड-19 के नए सबवैरिएंट

जेएन.1 के कुल 312 मामले सामने आए हैं जिनमें से करीब 47 फीसदी मामले केवल केरल में दर्ज किए गए। अभी तक 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वायरस के जेएन.1 उपस्वरूप की उपस्थिति पाई गई है।

आईएनएसएसीओजी के अनुसार, इन राज्यों में केरल (147), गोवा (51), गुजरात (34), महाराष्ट्र (26), तमिलनाडु (22), दिल्ली (16), कर्नाटक (आठ), राजस्थान (पांच), तेलंगाना (02) और ओडिशा (01) शामिल हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर में देश में दर्ज किए गए कोविड के 279 मामलों में जेएन.1 पाया गया है जबकि नवंबर में ऐसे 33 मामले सामने आए थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जेएन.1 को इसके तेजी से वैश्विक प्रसार के बाद इसे निगरानी में रखे जाने वाले स्वरूप के रूप में वर्गीकृत किया है लेकिन साथ ही सीमित उपलब्ध साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए जेएन.1 द्वारा उत्पन्न अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को वर्तमान में वैश्विक स्तर पर कम आंका है। हालांकि, हाल के सप्ताहों में कई देशों से जेएन.1 के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। केंद्र ने देश में कोविड-19 के मामलों और जेएन.1 उप स्वरूप पाए जाने की संख्या में वृद्धि के बीच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से इस पर लगातार नजर बनाए रखने को कहा है।

केके पाठक पर आईएएम के पूर्व अध्यक्ष को गाली देने का आरोप, डॉक्टर अजय कुमार ने मानसिक बीमार बताया था

पटना। बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव और चर्चित आईएएस अफसर केके पाठक पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर अजय कुमार ने फोन करके गाली देने का आरोप लगाया है। डॉ अजय कुमार ने कहा है कि वो केके पाठक पर कानूनी कार्रवाई करेंगे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी इसकी शिकायत कर एक्शन लेने की मांग करेंगे। मामला डॉक्टर अजय कुमार का एक यू-ट्यूब चैनल को 8 सितंबर, 2022 को दिए इंटरव्यू से जुड़ा है जिसमें डॉक्टर ने केके पाठक को मनोचिकित्सा के हिसाब से एक मानसिक बीमार आदमी बताया था। इसी इंटरव्यू को लेकर केके पाठक ने 25 दिसंबर को अजय कुमार को फोन करके गालियां दी। यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ अजय कुमार ने पिछले साल एक इंटरव्यू के दौरान केके पाठक के कामकाज के तौर-तरीकों का चिकित्सकीय विश्लेषण करते हुए बताया था कि पाठक में इल्यूजन, डिल्यूजन जैसे लक्षण हैं जिसे मेडिकल साइंस में मनोचिकित्सक एक मानसिक बीमार आदमी का गुण बताते हैं। अजय कुमार ने बताया कि वो नए साल के मौके पर परिवार के साथ छुट्टियां मनाने केरल गए हुए थे जब पाठक का फोन आया। 25 दिसंबर की सुबह 10.30 बजे केके पाठक ने फोन करके पहले यह

कन्फर्म किया कि उनकी बात डॉ अजय कुमार से ही हो रही है।

केके पाठक के खिलाफ शिक्षकों का हल्ला बोल, भूख हड़ताल पर जाएंगे टीचर; नीतीश को लिखी चिट्ठी

जब यह तय हो गया कि अजय कुमार ही फोन पर हैं तो पाठक ने इंटरव्यू पर सवाल किया और जैसे ही अजय कुमार ने कहा कि हां उन्होंने एक इंटरव्यू काफी दिन पहले दिया था तो पाठक ने गालियों की बौछार शुरू कर दी। अजय कुमार ने कहा कि वो उस वक्त परिवार के साथ बैठे थे और बच्चे ये गालियां ना सुनें इसलिए उन्होंने फौरन फोन काट दिया। अजय कुमार ने सवालिया लहजे में कहा कि एक साल पुरानी बात उन्हें 25 दिसंबर को क्यों याद आई। यदि पाठक को कोई आपत्ति थी तो उन्हें मुझे लीगल नोटिस भेज देना चाहिए था। फोन करके गाली देना सरासर गलत है। इससे हमारी प्रतिष्ठा को चोट पहुंची है। अजय कुमार ने बताया कि वह केके पाठक के खिलाफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार दीपक कुमार और मुख्य सचिव को पत्र लिखेंगे। इसके अलावा थाने में भी शिकायत दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार दो सप्ताह के भीतर केके पाठक पर कारवाई नहीं करती है तो वह कोर्ट की शरण में जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कानून और आशंकाएं

भारतीय न्याय संहिता में 'हिट ऐंड रन' मामलों के लिए जो कानूनी प्रावधान किया गया है, उसमें पहली नजर में कोई खोट नजर नहीं आता। धारा 104(2) का प्रावधान सड़क पर हुई किसी दुर्घटना के दौरान वाहन चालक की जिम्मेदारी तय करने और उसका व्यवहार बदलने की एक कोशिश दिखाई देता है। आमतौर पर दुर्घटना के बाद वाहन चालक घटनास्थल से भाग निकलता है, इसीलिए ऐसे मामलों को 'हिट ऐंड रन' केस कहते हैं। संसद से पारित यह नया प्रावधान कहता है कि दुर्घटना के समय वाहन चालक की पहली जिम्मेदारी है, घायल को अस्पताल पहुंचाना। वह ऐसा नहीं करता है, तो उसे इसके लिए दस साल की सजा और दस लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। इस कानून ने पूरे देश के ट्रक और बस ड्राइवरों को उद्वेलित कर दिया है और उन्होंने नया साल शुरू होते ही चक्का जाम कर दिया। गुजरात के राजमार्ग पर 25 किलोमीटर लंबा जाम होने की खबर आ रही है। एक ही दिन की हड़ताल के बाद चंडीगढ़ जैसे शहर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो चुका है, उनके बाहर वाहनों की लंबी लाइनें लग गई हैं। हजारों लोग जो पूरे उत्तर भारत से नया साल मनाने के लिए मनाली या शिमला गए थे, वे वहीं अटक गए हैं। उनकी गाड़ियों में ईंधन नहीं बचा और सप्लाई पहुंचाने वाले वाहन पेट्रोल पंपों तक पहुंच ही नहीं सके हैं। डर है कि आने वाले कुछ घंटों में कई जगहों पर खाने-पीने के सामान की किल्लत हो सकती है। सवाल है, आखिर वाहन चालक इतने नाराज क्यों हैं? वाहन चालकों का जो तर्क है, उसे पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि दुर्घटना के बाद अगर वे घटनास्थल से न भागें, तो वे भीड़ हिंसा के शिकार हो सकते हैं। दुर्घटना के बाद भागना उनका आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि आत्मरक्षा की कोशिश है। इसलिए इसे अपराध मानकर इसके लिए सजा और जुर्माने का प्रावधान ठीक नहीं है। ऐसे बहुत सारे मामले हैं, जहां दुर्घटना के बाद भीड़ ने वाहन चालक को बुरी तरह पीटा। भीड़ जब इस तरह का बर्ताव करती है, तब वह नहीं देखती कि दुर्घटना में दरअसल गलती किसकी थी? सड़कों पर बेपरवाही से वालन चलाते अक्सर बहुत सारे चालक दिख जाते हैं, जिनकी वजह से दुर्घटनाएं होती हैं, मगर हर दुर्घटना में वाहन चालक को ही दोषी मान लेना ठीक नहीं कहा जा सकता। व्यावसायिक वाहनों के चालकों के अभी तक जो बयान आए हैं, उनके अनुसार, वे लंबी हड़ताल की तैयारी कर रहे हैं। सिर्फ डेढ़ दिन की ही हड़ताल से कैसी मुसीबतें पैदा हो आई हैं, इन्हें हमने मंगलवार को चंडीगढ़ और उसके आस-पास देख लिया है। कोशिश यह होनी चाहिए थी कि ऐसी नौबत ही न आती। मगर देश में दुर्भाग्य से एक धारणा यह बन गई है कि जब तक हड़ताल न हो और बाधा न पहुंचाई जाए, तब तक कोई सुनवाई ही नहीं होती। कुछ हद तक यह धारणा है, तो कुछ हद तक लोगों का कटु अनुभव भी। अनेक मामलों में यह देखा गया है कि जिम्मेदार अधिकारी हालात बिगड़ने का मानो इंतजार करते हैं। समस्या गंभीर रूप ले, इसके पहले सरकार को वाहन चालकों और उनके संगठनों से बात करनी होगी। दुर्घटनाग्रस्त लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके और उन्हें सड़क पर बेहाल न छोड़ दिया जाए, इसे लेकर सरकार की चिंता बहुत वाजिब है, लेकिन इसे लेकर बनाया गया कानून अगर किसी के मन में ज्यादा आशंकाएं पैदा कर रहा है, तो उसका समय रहते निवारण भी जरूरी है।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तरक्की के आंकड़ों संग सुधरे देश की सेहत

देविंदर शर्मा

यदि आजादी के 76 साल बाद भी, 74 फीसदी से भी अधिक भारतीय स्वास्थ्यवर्धक भोजन का खर्च उठाने में सक्षम नहीं हैं तो कुछ तो है जो गलत हो रहा है। यह भी तब जबकि देश दुनिया की सबसे तेज गति से तरक्की कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और संवृद्धि दर अनुमानों के लिहाज से जिन्हें यह लगभग हासिल कर ही लेगा, लगभग 2027 तक भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था का आकार जो भी हो, और वह भी अधिकांश अस्वस्थ आबादी से निर्मित हो तो वह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि ग्रोथ मैट्रिक्स यानी संवृद्धि का सांचा देश के स्वास्थ्य से मेल नहीं खाता है। यह निश्चित तौर पर चिंताजनक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' की अवधि पांच साल और बढ़ाने की घोषणा की, जिसके तहत 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलना जारी रहेगा, तो इससे पूरी तरह स्पष्ट था कि सरकार ने जरूरत समझी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत निर्धारित 2-3 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत पर सब्सिडी वाले खाद्यान्न, जिसके हकदार गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोग हैं, के अलावा 5 किलोग्राम मुफ्त राशन भी दिया जाये। क्योंकि एनएफएसए आबादी के 67 प्रतिशत हिस्से की जरूरत पूरी करता है, इसके साथ ही अन्य 10 फीसदी भाग ऐसा है जिसके खुराक के स्तर को बेहतर बनाने की तुरंत जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने अपने खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्रीय अवलोकन 2023 में ये हैरान कर देने वाले आंकड़े उजागर किये। यह वर्ष 2021 के लिए अनुमानों पर आधारित था, जो महामारी का साल था, परंतु अध्ययन बताता है कि क्षेत्र का उसी तरह के प्रभावों के फैलाव से ग्रस्त रहना जारी है। निराशाजनक रूप से, रिपोर्ट बताती है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पोषण के लिहाज से 37.07 करोड़ गरीब लोग मौजूद हैं जो वैश्विक स्तर पर कुपोषित जनसंख्या के आधे से ज्यादा है। भारत के अलावा पाकिस्तान में 82.8 प्रतिशत और बांग्लादेश में 66.1 फीसदी आबादी कुपोषित है। जबकि नेपाल में 76.4 फीसदी, श्रीलंका में 55.5 फीसदी और भूटान में 45.2 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषण से ग्रस्त है। इस तरह से दक्षिण एशियाई क्षेत्र वैश्विक अल्पपोषित मानचित्र पर हावी है। एफएओ की रिपोर्ट यह भी बताती है कि देश की 53 प्रतिशत महिलाओं में रक्ताल्पता की समस्या है, और पांच साल से कम आयु के 31.7 फीसदी बच्चों की हाइट उम्र के लिहाज से कम है, इसके साथ ही 18.7 प्रतिशत बच्चों का वजन तकनीकी तौर पर उनकी ऊंचाई के अनुरूप कम है। रोचक बात यह है कि यही अनुमान पूर्व में वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में चिन्हित किये गये थे जिन्हें भारत ने यह कहकर नकार दिया था कि इनके लिए अपनाई गयी कार्यप्रणाली सही नहीं है। जबकि एफएओ का कहना है कि जब तक बढ़ रही आय का स्तर बढ़ रही खाद्य कीमतों के बराबर नहीं होता है, अस्वास्थ्यकर भोजन की प्रवृत्ति घटेगी नहीं। जहां तक आय स्तर का संबंध है तो भारत की अधिकांश जनसंख्या लगातार उस स्तर पर है जो सब-सहारा अफ्रीका में मौजूद है। देश के एक अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में 10 अगस्त, 2022 में प्रकाशित लेख 'फोकस ऑन द बेस ऑफ ए पिरामिड' में ये अनुमान था कि 90 करोड़ भारतीय उतनी ही आय में निर्वाह कर रहे थे जितनी आमदन सब सहारा अफ्रीका में है। इतने निम्न आय स्तर के साथ, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि के बावजूद जारी है, अस्वास्थ्यकर खुराक कायम रहेगी। इसे प्रमाणित करने के लिए, विश्व बैंक की हालिया गणना से मालूम हुआ कि ब्रिक्स देशों में, भारत की 91 प्रतिशत आबादी 280 रुपये रोजाना (4 डॉलर प्रतिदिन) से कम में जीवन यापन करती थी। यह वृद्धिमान अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है, इतने ही आय स्तर पर 51 प्रतिशत आबादी के साथ दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर आता था। स्वास्थ्यकर खुराक प्राप्त करने को लेकर, जवाब यही है कि पिरामिड की सतह पर प्रचलित आय स्तर को बढ़ाया जाये। यह मुश्किल लगता है, और कुछ तो इसे असंभव ही कहेंगे, पर हकीकत में औसत आय स्तर को बढ़ाना कठिन नहीं है। मैंने अकसर कहा है कि चूंकि ग्रामीण परिवारों का करीब 70 फीसदी हिस्सा कृषि पर आश्रित है तो खेती को व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने में ही इसका जवाब निहित है। कृषि क्षेत्र में कार्यरत जिस 47 फीसदी कार्यबल को व्यवहार्य आय स्तर से लगातार वंचित रखा जा रहा है, वे कभी पोषण से भरपूर आहार नहीं प्राप्त कर सकते हैं। कई अध्ययनों ने इंगित किया कि ग्रामीण मजदूरी जो किसी भी रूप में निम्नतम है, फिर से कम हुई या स्थिर रही। और जब गरीब परिवारों में आय कम होती है तो वे अपने द्वारा लिये जाने वाले भोजन में ही कटौती करते हैं। महंगाई नियंत्रण के मकसद से कृषि क्षेत्र को जानबूझकर दरिद्र बनाये रखने के चलते मैक्रो इकनॉमिक नीतियों ने कृषि को व्यवहार्य विकल्प बनाने के प्रयासों को दबा दिया है। यह मुझे राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर एक त्रुटिपूर्ण ग्रंथ की याद दिलाता है जिसे नीति आयोग ने साल 2020 में देशभर में एक आम आदमी द्वारा भुगतान की जाने वाले भोजन (थाली) की लागत को मापने के मकसद से तैयार किया था। द ट्रिब्यून में 8 फरवरी, 2020 को प्रकाशित मेरे एक लेख 'थाली इकोनॉमिक्स गेट्स इट रॉन्ग' में मैंने व्याख्या की है कि कैसे थाली इकोनॉमिक्स, जैसा कि इसे कहा गया, केवल यह संदेश देने के लिए थी कि खाद्य कीमतें एक औसत आदमी की पहुंच में हैं। असल में, रिपोर्ट में यह बात चतुराई से छुपा ली गयी थी कि सस्ते खाद्यान्न उगाने के लिए किस तरह से किसानों को 'दंडित' किया जा रहा है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल इंडिया मासिक आधार पर विश्लेषण करती है, और मैंने देखा कि फोर्ब्स इंडिया मैगज़ीन 'हाउ इंडिया ईट्स' शृंखला के तहत प्रकाशित करती है। कई दूसरे अखबार भी रिपोर्ट को नियमित तौर पर छापते हैं। सितंबर, 2023 के लिए विश्लेषण के मुताबिक, प्याज-टमाटर के दाम कम होने से औसतन एक शाकाहारी थाली की लागत 27.9 रुपये थी। यह लागत उससे 17 फीसदी कम थी जो एक माह पहले एक आम शहरी को घर पर भोजन तैयार करने में पड़ती थी। इसी तरह नॉन-वेजिटेरियन थाली की लागत आंकी गयी। यह देखते हुए कि एफएओ के खाद्य और कृषि की स्थिति (एसओएफए) 2023 के मुताबिक खाद्य उत्पादन की वैश्विक लागत 12.7 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, और भारत में छिपी हुई लागत 1.1 ट्रिलियन डॉलर मापी गई है, तो अब वक्त आ गया है कि क्रिसिल के मासिक अनुमानों पर रोक लगायी जाये। हर माह वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन थाली का चार्ट सामने लाकर असल में क्रिसिल सेहतमंद व खरे खाद्य पदार्थ पैदा करने की लागत को छुपा रही है। यह ध्यान में रखते हुए कि भारत में 74 फीसदी लोग स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन का खर्च उठाने में समर्थ नहीं हैं तो क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से व्याख्या करने के लिए जरूर कहना चाहिये कि यदि अस्वस्थ जनसंख्या का बढ़ना जारी है तो उसके द्वारा लागत को प्रदर्शित करने के प्रयास कितने प्रासंगिक हैं। किसी देश के लिए विकास का अंतिम मापक एक सेहतमंद राष्ट्र होना चाहिये।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

पूर्वोत्तर में शांति के प्रयासों को मिली गति

उल्फा से त्रिपक्षीय समझौता/ शशिधर खान

नया साल पूर्वोत्तर शांति के लिए शुभ माना जा सकता है क्योंकि 2023 समाप्त होते-होते असम और उत्तर पूर्वी राज्यों में 40 वर्षों से हिंसा का पर्याय बने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (उल्फा) के साथ त्रिपक्षीय समझौता शांति के एक नए युग की शुरुआत है। नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालिम (एनएससीएन-आईएम) को छोड़ दें तो उल्फा के साथ शांति समझौते के बाद पूर्वोत्तर में हिंसा और अलगाववाद पर आधारित उग्रवाद का लगभग खात्मा होने का विश्वास है। नागालैंड और मणिपुर में सक्रिय एनएससीएन के बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र का सबसे मजबूत और खूंखार उग्रवादी गुट उल्फा का नेटवर्क असम ही नहीं समूचे पूर्वोत्तर तक पसरा हुआ था। इसलिए उल्फा के साथ शांति समझौता सही मायने में ऐतिहासिक और बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (उल्फा) के अस्तित्व में आने की कहानी 1980 के दशक के असम छात्र आंदोलन के समय से जुड़ी है। हिंसा की बदौलत 'स्वाधीन असोम' की मांग भारत सरकार से मनवाने के लिए 1979-80 में उल्फा की नींव रखी गयी। असम छात्र आंदोलन की आड़ में यह ऐसा उग्रवाद पनपा, जिसे भारत राष्ट्र से अलग 'स्वाधीन असोम' चाहिए था, जहां असमिया के अलावा कोई अन्य न रहे। यह अच्छा संयोग रहा कि 29 दिसंबर को दिल्ली में हुए त्रिपक्षीय समझौते के समय उल्फा के संस्थापक अरविंद राजखोबा मौजूद थे, जो अभी-भी उल्फा के प्रमुख हैं। समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले को अन्य उल्फा नेता अनूप चेतिया और सशाधर चौधुरी भी संस्थापकों में से हैं। यह त्रिपक्षीय समझौता केंद्र, राज्य सरकार और उल्फा नेताओं के बीच हुआ है। ये लोग हिंसा छोड़कर भारतीय संवैधानिक दायरे के अंतर्गत राष्ट्रीय मुख्यधारा में शामिल होने को राजी हुए हैं। वर्ष 2009 में बांग्लादेश से प्रत्यर्पण संधि के बाद इन उल्फा नेताओं को भारत लाया गया। पहले कुछ दिन हिरासत में रखा गया, फिर शांति वार्ता शुरू हुई। 2011 से शांति वार्ताओं की जानकारी आने लगी। खुफिया अधिकारियों के प्रयास विफल होने के बाद असम के गणमान्य नागरिकों की भी मदद मिल गयी, जिसमें प्रख्यात असमिया लेखिका ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता इंदिरा गोस्वामी भी शामिल थीं। मगर कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में उत्तर पूर्व में शांति और विकास के क्रम में 9 शांति समझौते उल्लेखनीय हैं, जो पूर्वोत्तर शांति वार्ता में कई दशकों से रोड़े थे। 2019 में इसकी शुरुआत त्रिपुरा के एनएलएफटी (नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा) से हुई। उसके बाद 2020 का बोडो और ब्रू समझौता, 2021 में कर्बी एंग्लोंग, 2022 का आदिवासी समझौता के अलावा मणिपुर के सबसे पुराने उग्रवादी गुट युनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के साथ समझौता (2023) गिनाया जा सकता है। असम-मेघालय और असम-अरुणाचल सीमा विवाद कई वर्षों से हिंसक झड़पों का कारण बना हुआ था। 2023 में इस पर भी केंद्र ने राज्य सरकारों में सहमति बनायी। शुरू से ही वार्ता विरोधी उल्फा संस्थापकों में से एक परेश बरूआ के बारे में कोई पक्की सूचना नहीं है कि वह अपनी हिंसक गतिविधियां म्यांमार से चलाता है या बांग्लादेश से। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उल्फा के विषय में रिपोर्ट थी कि इसका अड्डा बांग्लादेश में है। 1993 में प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव से मिलने अपने गुप्त अड्डे से निकलकर उल्फा नेतागण दिल्ली आए थे, यह जानकारी अभी समझौते के समय असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दी। उनसे पहले असम के मुख्यमंत्री रहे सर्वानंद सोनोवाल (अभी केंद्रीय मंत्री) उल्फा नेताओं को गुवाहाटी से लेकर 29 दिसंबर को दिल्ली आए थे। 2011 में जब उल्फा के राजखोवा गुट की केंद्र से वार्ता शुरू हुई तो गुवाहाटी से उल्फा नेताओं से मिलकर दिल्ली लौटी लेखिका इंदिरा गोस्वामी ने असम भवन में बातचीत के दौरान मुझसे कहा- 'दोनों पक्षों में से किसी को पीपुल्स कन्सलटेटिव ग्रुप (पीएसजी) पर भरोसा नहीं है। वार्ता बिना शर्त शुरू होने की बात थी और उल्फा तथा केंद्र दोनों अपनी-अपनी शर्तों में ही उलझे रहे।' पीएसजी का गठन इंदिरा गोस्वामी की अध्यक्षता में असम के गणमान्य नागरिकों को मिलाकर उल्फा को केंद्र के साथ वार्ता के टेबल पर आने के लिए किया गया था। केंद्र के वार्ताकार पूर्व खुफिया प्रमुख पीसी हलदर को उल्फा का विश्वास जीतने में सफलता नहीं मिली।

उस समय तक यही चर्चा थी कि उल्फा को बांग्लादेश और म्यांमार से शह मिलती है। प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के शासनकाल के दौरान भूटान सरकार की मदद से उल्फा पर काबू पाने में काफी हद तक सफलता मिली। असम हिंसा का अगर छात्र आंदोलन के समय से जिक्र करें तो उबरे असम गण परिषद उभरे नेता सत्ता में आए। मगर जनता का विश्वास नहीं रख पाए और उल्फा के प्रति नरम बने रहे।

विचार मंथन

सड़क पर गाड़ी चलाना सबसे बड़ा जोखिम

(लेखक- सनत कुमार जैन)

एक्सीडेंट में मौत होने पर 5 से लेकर 10 साल की सजा किसी का भी केरियर तथा परिवार को सड़क पर खड़ा करने का कानून 10000 से 20000 वेतन पाने वाला ड्राइवर कैसे चुकाएगा लाखों का जुर्माना सजा के बाद वाहन चालक के परिवार का क्या होगा भारत की सरकार ने अंग्रेजों के बनाए गए कानून को खत्म कर, भारतीय न्याय संहिता के नाम से नया कानून तैयार कर लागू किया है। अंग्रेजों के जमाने का कानून लगभग डेढ़ सौ साल चला। उसमें सभी की जिम्मेदारी तय थी। लेकिन अब जो कानून भारत सरकार ने भारतीयों के लिए बनाया है। वह 1 दिन भी चलता हुआ नहीं दिख रहा है। कानून के विरोध में वाहन चालक बे-मियादि हड़ताल पर चले गए हैं। 1 जनवरी से लागू हुए कानून में वाहन चलाते समय एक्सीडेंट हुआ,और किसी की मौत हो गई। ऐसी स्थिति में कम से कम 5 साल की सजा वाहन चालक को होना तय है। साथ में 7 लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगना तय है। गलती चाहे किसी की हो, सजा उस समय जो व्यक्ति वाहन चला रहा होगा, उसे सजा मिलना तय है। इसके साथ ही लाखों रुपए का जुर्माना भी भरना पड़ेगा। भारत सरकार ने जो नया कानून लागू किया है। उसमें यदि मरने वाले की गलती या किसी अन्य कारण से एक्सीडेंट हुआ है। यह प्रमाणित हो जाने पर भी चालक को 5 लाख का जुर्माना अदा करना ही पड़ेगा। यदि वाहन चालक की लापरवाही से एक्सीडेंट हुआ है,तो उसे कम से कम 104 (1) में 7 साल की सजा होना तय है। कोई भी वाहन चालक जल्दबाजी में या किसी लापरवाही के कारण एक्सीडेंट करेगा। किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाएगी ऐसी स्थिति में न्यूनतम 7 साल की सजा का प्रावधान है। न्याय संहिता की धारा 104(2) में कहा गया है। एक्सीडेंट होने के बाद यदि मौके से वाहन चालक भाग जाता है। ऐसी स्थिति में 10 साल की सजा, और 10 लाख रुपए का जुर्माना होगा। भारत सरकार ने अंग्रेजों के बनाए कानून आईपीसी, सीआरपीसी, और एविडेंस एक्ट के स्थान पर तीन नए कानून बनाए है। भारत की अपनी सरकार, गुलामी की मानसिकता वाले कानून को हटाकर जो नया कानून भारतीय न्याय संहिता लेकर आई है। उसके प्रावधान अंग्रेजों के बनाये हुए कानून से कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। अंग्रेजों के बनाये हुए कानून को सरकार गुलामी उपनिवेश के कानून मानती थी। भारतीय न्याय संहिता में भारतीय नागरिकों को जिम्मेदार बनाकर दंडित किया जा रहा है। वैसा दंड कभी अंग्रेजों के बने हुए कानून में भारतीयों को नहीं मिला, जो अपनी ही सरकार में अब मिलने जा रहा है। जो नया कानून लागू हुआ है। वह जरूर हमें गुलाम बनाने वाला है। इस बात को सभी को समझना होगा। भारत में जो ड्राइवर वाहन चलाते हैं। उन्हें 7 हजार रुपए से लेकर अधिकतम 25000 रूपये का वेतन मिलता है। भारत में सड़कों की क्या हालत है। यह किसी से छिपा नहीं है। ट्रैफिक नियमों का पालन करना तो हमने सीखा ही नहीं है। सरकार के विभाग भी अपनी जिम्मेदारी का पालन नहीं करते हैं। जो ड्राइवर वेतन लेकर वाहन चलाते हैं। वह बहुत कमजोर आर्थिक स्थिति से आते हैं। उन्हें जो वेतन मिलता है, उससे उनका मासिक खर्च ही नहीं चल पाता है, बचत तो वह पूरी जिंदगी कर ही नहीं पाते हैं। अब जो नया भारतीय कानून लागू हुआ है। एक्सीडेंट होने पर किसी की भी गलती हो। वाहन चालक को न्यूनतम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष की सजा होना तय है। वाहन चालकों में सभी वर्ग के लोग आते हैं। ऐसी स्थिति में चाहे सरकारी कर्मचारी हो,व्यापारी हो, छात्र-छात्रा हो,या कोई भी व्यक्ति जो वाहन चल रहा था। उसका जेल जाना तय है। सरकारी नौकरी करने वाले हो, या नेताजी हों, उन्हें भी सजा होना तय है। निजी वाहन चला रहे हैं, और एक्सीडेंट हो गया, किसी की मौत हो गई, तो उनका पूरा भविष्य खत्म हो जाएगा। भले उसकी गलती ना हो। लॉर्ड मैकाले ने जो कानून बनाया था। वर्तमान कानून विद कहते हैं, वह कानूनन ए कानून की तुलना में बहुत अच्छा था। उसमें गुण दोष के आधार पर सजा और जुर्माने का प्रावधान था। भारतीय न्याय संहिता की धारा 104, सब धान बीस पसेरी की तरह है। वाहन चालक से एक्सीडेंट हुआ है, किसी की मौत हुई है। तो जेल जाना और लाखों रुपए का जुर्माना तय है। रसूखदार आदमियों को भले किसी तरीके सरकार और पुलिस द्वारा बचा लिया जाए। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग के लोगों का जीना मुहाल हो जाएगा। अब बिना वाहन चलाए जीवन जीना बड़ा मुश्किल हो गया है। जब एक्सीडेंट होता है,किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है। उस समय भीड़ वाहन चालक के साथ मारपीट करती है। मारपीट से बचने और अपनी जान बचाने के लिए वाहन चालक की घटना स्थल से भागने की मजबूरी होती है। अब 1 जनवरी से लागू कानून में,सजा ओर लाखों रूपये के जुर्माने प्रावधान कर दिया गया है। सरकार ने सोचा होगा, कड़ा कानून बनने से वाहन चालकों के एक्सीडेंट खत्म हो जाएंगे। लोगों की जान बच जाएगी। ऐसा शायद संभव नहीं होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईवी पर आयात शुल्क घटाने की तैयारी, देसी उद्योग ने किया विरोध

नई दिल्ली । सरकार ने एक ओर जहां ईवी पर आयात शुल्क घटाने की तैयारी कर ली है, वहीं देसी उद्योग ने इसका विरोध शुरु कर दिया है। हालों कि सरकार ने देसी वाहन कंपनियों को दो टूक बता दिया है कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर शुल्क में रियायत देनी ही होगी। मगर उद्योग को राहत देने के लिए वह सुनिश्चित करेगी कि ब्रिटिश ईवी कंपनियों को रियायत किस्तों में दी जाएगी, जिससे भारतीय बाजार में उनकी पैठ भी धीरे-धीरे बढ़े। बता दें कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन तेजी से उभरता हुआ बाजार है। इसे देखते हुए घरेलू वाहन निर्माताओं ने दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों पर आयात शुल्क में कटौती का जमकर विरोध किया है। इसीलिए सरकार इस समझौते के तहत चरणबद्ध तरीके से शुल्क घटाने की बात कह रही है। इस मामले में जानकारों का कहना है कि हम मानते हैं कि भारत में ईवी उद्योग की अभी शुरुआत ही हुई है। इसलिए हम इस बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोलने का उचित और सुरक्षित तरीका तलाश रहे हैं। ऐसा करते समय हम उद्योग की चिंताओं को जरूर ध्यान में रखेंगे।' उन्होंने कहा कि उद्योग को सुरक्षित रखने और फलने-फूलने का मौका देने के लिए 5, 10 या 15 साल की जरूरत हो सकती है। इतना वक्त काफी होगा। जानकारों का कहना है कि अगर सरकार सीमित संख्या में वाहनों को कम शुल्क पर आयात करने की इजाजत देती है तो उन्हें किसी तरह का खतरा महसूस नहीं होना चाहिए। उद्योग को यह बात समझनी होगी। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात पर फिलहाल भारी शुल्क लगता है। देश में 40,000 डॉलर यानी करीब 34 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली पूरी तरह असेंबल की गई इलेक्ट्रिक कार के आयात पर 100 फीसदी शुल्क वसूला जाता है। 40,000 डॉलर से कम कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों के आयात पर 70 फीसदी शुल्क लगाया गया है।

वोडाफोन-आइडिया ने स्टारलिंक के साथ साझेदारी से किया इनकार

नई दिल्ली । प्राइवेट क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया (वी) ने स्टारलिंक से साझेदारी पर इनकार कर दिया है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि अरबपति कारोबारी एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक के साथ साझेदारी के लिए किसी तरह की बातचीत नहीं हो रही है। इस बयान के बाद कर्ज में डूबी कंपनी के पुनर्रुद्धार की उम्मीदों पर भी पानी फिर गया, जिस कारण पहले उसके शेयरों में तेजी आई थी। कंपनी का यह बयान ऐसे समय आया है जब मी डिया में खबर प्रकाशित की गई थी कि मस्क की स्टारलिंक भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में कदम रखने के लिए वोडाफोन आइडिया के साथ गठजोड़ कर सकती है। वोडाफोन आइडिया ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को दी सूचना में जोर देकर कहा है कि वह बाजार सूचीबद्धता संबंधी सेबी प्रावधानों का पालन करेगी और स्टॉक एक्सचेंजों को मूल्य संबंधी सभी संवेदनशील जानकारियों से अवगत कराती रहेगी। इसी वजह से कंपनी ने बयान जारी कर रहा है, 'इस मामले में हमारा कहना है कि संबंधित पक्ष के साथ हमारी ऐसी कोई चर्चा नहीं चल रही है। हमें नहीं पता कि इस तरह की खबरें कहां से आ रही हैं।' वोडाफोन-आइडिया के शेयर में 21 फीसदी की उछाल आने के बाद शुक्रवार को यह खबर प्रकाशित हुई थी। सोमवार को फिर से कंपनी के शेयर 6 फीसदी चढ़ गए, जो पिछले करीब दो साल में कंपनी के लिए सबसे बढ़िया कारोबारी सत्र रहा। ले किन कंपनी की ओर से स्पष्टीकरण जारी किए जाने के बाद वोडा-आइडिया का शेयर 5 फीसदी से अधिक लुढ़क गया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले 12 प्रतिशत तक चढ़े अडानी के शेयर

नई दिल्ली ।

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले बुधवार को अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में 12 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। बीएसई पर शुरुआती कारोबार में अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदानी एंटरप्राइजेज के शेयर लगभग 6 प्रतिशत उछल गए, जबकि अदानी पोर्ट्स के शेयर लगभग 4 प्रतिशत बढ़कर अपने 52-सप्ताह के हाई लेवल 1,117.10 रुपये पर पहुंच गए। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि अदानी पावर के शेयरों में 5 प्रतिशत का ऊपरी सर्किट लग गया और कंपनी का शेयर 544.65 रुपये पर पहुंच गया।

इधर अंबुजा सीमेंट्स के शेयर लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर 52-सप्ताह के हाई लेवल 541.45 रुपये पर पहुंच गए, जबकि एसीसी के शेयर भी लगभग 2 प्रतिशत चढ़ गए। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ चार याचिकाओं पर सुबह 10:30 बजे फैसला सुनाएगी। हालों कि जनहित याचिकाओं पर फैसला 24 नवंबर, 2023 को सुरक्षित रखा गया था। कोर्ट में दी गई दलीलों में दावा किया गया था कि मोदी सरकार के करीबी माने जाने वाले अदाणी समूह ने अपने शेयरों की कीमतें बढ़ा दीं थी। जो हिर है कि शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद से ही ग्रुप की कंपनियों में बड़ी गिरावट देखी गई थी।

सिएट को 19 करोड़ रुपए की जीएसटी मांग को लेकर नोटिस

नई दिल्ली: टायर बनाने वाली सिएट लि. को महाराष्ट्र और गुजरात के वडोदरा में कर अधिकारियों से जीएसटी और जुर्माने की मांग को लेकर 19 करोड़ रुपए का नोटिस मिला है। सिएट लि. ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वडोदरा के अतिरिक्त आयुक्त (केंद्रीय जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क) ने 3.27 करोड़ रुपये के ब्याज और 13.68 करोड़ रुपए के जुर्माने के साथ आदेश जारी किया है। इससे पहले, कंपनी को कारण बताओ नोटिस दिया गया था। इसका कारण इनपुट टैक्स क्रेडिट को 'क्रेडिट लेजर' दिखाने में देरी थी। एक अन्य मामले में, महाराष्ट्र के कर उपायुक्त ने एक आदेश जारी कर 22 लाख रुपए और ब्याज के रूप में 26 लाख रुपए की मांग की है। साथ ही दो लाख रुपये जुर्माने की मांग की है। यह मामला आपूर्तिकर्ता के कर भुगतान नहीं करने से इनपुट टैक्स क्रेडिट की स्थिति में बदलाव से संबंधित है। इसको लेकर कारण कारण बताओ नोटिस भी दिया गया था। कंपनी के अनुसार, ''क्रेडिट लेजर में इनपुट टैक्स क्रेडिट दिखाने में देरी के लिए 1.59 करोड़ रुपए का ब्याज भी लगाया गया है।''

गीतिका मेहता को निविया इंडिया ने नियुक्त किया नया प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली । गीतिका मेहता को त्वचा देखभाल के उत्पाद बनाने वाले ब्रांड निविया इंडिया ने अपना नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। निविया इंडिया ने जारी बयान में कहा कि एफएमसीजी क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाली मेहता देश में ब्रांड का नेतृत्व करेंगी। अपनी नई भूमिका पर टिप्पणी करते हुए मेहता ने कहा कि जैसा कि हम लगातार विकसित हो रहे त्वचा देखभाल परिदृश्य को देखा करते हैं, मेरा ध्यान नवाचार को आगे बढ़ाने, ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और लाखों भारतीयों की पसंद के त्वचा देखभाल ब्रांड के रूप में निविया की स्थिति को और मजबूत करने पर होगा।' बता दें कि निविया का स्वामित्व जर्मनी की बहुराष्ट्रीय कंपनी बीयर्सडोर्फ एजी के पास है, जो त्वचा देखभाल उत्पादों की अग्रणी कंपनी है। इसी तरह किया इंडिया ने ऐलान किया कि वह तत्काल प्रभाव से ग्वांगगु ली को प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी नियुक्त कर रही है। वह ताए जिन पार्क की जगह लेंगे, जो पिछले चार साल से दक्षिण कोरिया की कार निर्माता के भारतीय परिचालन के प्रमुख रहे हैं। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि पार्क किया के साथ 36 साल के लंबे सफर के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इधर एयरटेल अफ्रीका ने मुख्य कार्याधिकारी ओलुसेगुन 'सेगुन' ओगुनसान्या के 1 जुलाई से सेवानिवृत्त होने और उनकी जगह सुनील तलदार को देने की घोषणा की। तलदार अक्टूबर, 2023 में निदेशक (बदलाव) के रूप में एयरटेल अफ्रीका का हिस्सा बने थे। वह ओगुनसान्या के साथ मिलकर काम करते हुए सीईओ की भूमिका के लिए खुद को तैयार करेंगे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 535, निफ्टी 148 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही थी। तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आईटी और वित्तीय शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 535.88 अंक करीब 75 नीचे आकर 71,356.60 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 148.45 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी नीचे आकर 21,517.35 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा 1.63 फीसदी की गिरावट रही। वहीं आईटीसी, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक सहित 10 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। इसके अलावा जेएसडब्लयू स्टील के शेयर सबसे ज्यादा 3.76 फीसदी टूटे। वहीं टाटा स्टील, इन्फोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा, टीसीएस, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक और रिलायंस इंडस्ट्रीज व एचडीएफसी बैंक सहित 20 कंपनियों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

इससे पहले आज सुबह बाजार की बुधवार को भी कमजोर शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 210 अंक गिरकर 71,680 पर खुला और एनएसई निफ्टी-50 भी 48 अंक की गिरावट के साथ 21,618 पर आ गया। आज सुबह इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टेक एम, जेएसडब्ल्यू स्टील और एक्सिस बैंक और हिंडाल्को के शेयरों में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, बजाज फिनसर्व, डॉ. रेड्डीज, ओएनजीसी, नेस्ले और एमएंडएम के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं अदाणी ग्रुप की कंपनियों अदाणी पोर्ट्स, अदाणी एनर्जी, अदाणी विल्मर और अदाणी टोटल गैस के शेयर भी 12 फीसदी ऊपर आये हैं। आज सुबह व्यापक बाज़ारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.3 फीसदी गिरा जबकि स्मॉलकैप सपाट रहा।

बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने 8.85 प्रतिशत तक के डिजिटल फिक्स्ड डिपॉजिट अनुभव के साथ नए साल का उत्साह बढ़ाया

बजाज फिनसर्व की ऐप और वेबसाइट के माध्यम से बुक की गई डिपॉजिट पर तुलनात्मक रूप से 8.85 प्रतिशत की उच्च दर की पेशकश

पुणे ।

देश के सबसे बड़े वित्तीय सेवा समूहों में से एक, बजाज फिनसर्व का हिस्सा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने आज डिजिटल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) लॉन्च करने की घोषणा की, जो इसके ऐप और वेबसाइट के माध्यम से बुक की गई डिपॉजिट पर 8.85% तक की विशेष दरें उपलब्ध कराता है।

साल के अंत के साथ, डिजिटल एफडी ग्राहकों को डिपॉजिट बुक करने के लिए डिजिटल एवं असिस्टेड डिजिटल मोड का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके बचत के अनुभव को रूपांतरित करता है। बजाज फिनसर्व ऐप और वेबसाइट का सफ़र सरल, सुरक्षित और निर्बाध है जिसमें लगभग तुरंत एफडी बुकिंग की जा सकती है। 2 जनवरी, 2024 से प्रभावी, बजाज फाइनेंस वरिष्ठ नागरिकों को बजाज फिनसर्व ऐप और वेब पर बुक की गई एफडी में 42 महीने की अवधि के लिए 8.85 प्रतिशत प्रति वर्ष तक की ब्याज दर प्रदान कर रहा है।

60 वर्ष से कम उम्र के जमाकर्ता प्रति वर्ष 8.60 प्रतिशत तक कमा सकते हैं। संशोधित दरें 42 महीने की अवधि के लिए 5 करोड़ रुपये तक की नई जमा और परिपक्व होने वाली जमाराशियों के नवीनीकरण पर लागू होंगी।

बजाज फाइनेंस के फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश प्रमुख सचिन सिक्का ने कहा, हमारी बाधारहित प्रक्रियाएं, आकर्षक ब्याज दरें और ग्राहक अनुकूल नीतियां बजाज फाइनेंस एफडी के साथ उपभोक्ता के अनुभवों को और बेहतर बनाती हैं।

2 वर्षों में हमारी डिपॉजिट बुकिंग में 2 गुना वृद्धि भी बजाज ब्रांड पर ग्राहकों के भरोसे का प्रमाण है। हमारे एफडी अब जमाकर्ताओं को डिजिटल-फर्स्ट सोचने में सक्षम बनाते हैं। इसे एक सरल एंड-टू-एंड डिजिटल सफ़र के रूप में बनाया गया है, जिसमें विशेष रूप से बजाज फिनसर्व ऐप और वेब पर उच्च ब्याज दरें उपलब्ध हैं।

यह एफडी खोलने के अनुभव को डिजिटल युग में लाता है। 30 सितंबर, 2023 तक बजाज फाइनेंस के ऐप प्लेटफॉर्म पर 44.68 मिलियन नेट उपयोगकर्ताओं के साथ 76.56 मिलियन ग्राहक जुड़े हैं। data.io की रिपोर्ट के अनुसार बजाज फिनसर्व ऐप भारत में प्लेस्टोर पर वित्तीय क्षेत्र में 4था सबसे अधिक डाउनलोड किया जाने वाला ऐप है।

सोने, चांदी की कीमतें घटीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। सोने के वायदा भाव की आज मिश्रित शुरुआत हुई। सोने के वायदा भाव में जहां बढ़त रही, वहीं चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। आज सुबह चांदी के वायदा भाव 74 रुपये से नीचे खुलने के बाद 74 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। वहीं सोने के वायदा भाव 63,300 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी कमी आई। इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी अनुबंध आज एक रुपये की बढ़त के साथ 63,258 रुपये के भाव पर खुला। यह 63,331 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 63,257 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर आया। वहीं पिछले साल दिसंबर महीने में ही सोने के वायदा भाव 64,063 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 124 रुपये की गिरावट के साथ 73,971 रुपये के भाव पर खुला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कोमेक्स पर सोना 2,067.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं कोमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.88 डॉलर के भाव पर खुले।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट में बदलाव, बसों की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 64 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट बदलाव का दौर देखा जा रहा है। यही वजह है कि साल 2023 में बसों की मांग में मजबूत वृद्धि देखी गई है। अशोक लीलैंड की इस वित्त वर्ष में अप्रैल से दिसंबर के दौरान मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन (एमएचसीवी) बसों की बिक्री पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 64 फीसदी बढ़ी।

इस दौरान कंपनी ने 11,216 बसों की बिक्री की। जबकि, वॉल्वो आयशर वाणिज्यिक वाहन (वीईसीवी) के अप्रैल-दिसंबर के दौरान हल्के और मध्यम बसों की बिक्री 24।7 फीसदी और भारी बसों की बिक्री 36।9 फीसदी बढ़ी है। वीईसीवी ने इस दौरान 9,945 हल्के और मध्यम बसों की बिक्री की और 1,369 भारी बसों की बिक्री की। सिर्फ बसों की बिक्री की जानकारी नहीं देने वाली टाटा मोटर्स की यात्री वाहन खंड में कैलेंडर वर्ष 2023 की सभी चार तिमाहियों में वृद्धि देखी गई है।

उदाहरण के लिए, अक्टूबर से दिसंबर की अवधि में टाटा मोटर्स ने यात्री वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 19 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 7704 इकाइयों तक पहुंच गई। जबकि जुलाई-सितंबर के बीच इसमें 32 फीसदी की वृद्धि हुई, अप्रैल-जून की अवधि में 11 फीसदी की वृद्धि और 2023 में जनवरी-मार्च अवधि में 70 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

कुल मिलाकर टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों ने कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान 33 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसने असम राज्य परिवहन निगम (एएसटीसी) को 100 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति की है। टाटा मोटर्स ने देश भर के विभिन्न शहरों में 1,500 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति की है। इसने 95 फीसदी से अधिक के अपटाइम के साथ कुल मिलाकर 10 करोड़ किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की है।

दिसंबर में टाटा मोटर्स लिमिटेड को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम से टाटा एलपीओ 1618 डीजल बस की 1,350 बसें की आपूर्ति करने का ठेका मिला था।

ये बसें अंतरराज्यीय और लंबी दूरी तय करने के लिए तैयार की गई हैं।

उपभोक्ताओं ने डीजल वाहनों से बनाई दूरी, 2023 में ईवी, हाइब्रिड की बढ़ी मांग

नई दिल्ली।

साल 2023 के दौरान ईवी,हाइ ब्रिड वाहनों की मांग बढ़ गई है, वहीं उपभोक्ताओं ने डीजल वाहनों से दूरी बनाकर हाइब्रिड कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख किया है। आने वाले वर्षों के दौरान यात्री वाहन उद्योग में विभिन्न तरह के इंजनों का मिश्रण दिखने की संभावना है, हालांकि स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) की बिक्री ने जोर पकड़ा हुआ है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यअधिकारी (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव के अनुसार संपूर्ण पीवी श्रेणी में डीजल वाहनों की हिस्सेदारी साल 2022 की 19.2 प्रतिशत से घटकर साल 2023 में 17.6 प्रतिशत रह गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इसी अवधि के दौरान हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी 0।5 प्रतिशत से बढ़कर दो प्रतिशत हो गई। इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी में भी भारी इजाफा नजर आया और यह 1.3 प्रतिशत से बढ़कर 2.2 प्रतिशत हो गई। इसमें सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी भी बढ़ी है। वाहन क्षेत्र के मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) का मानना है कि यह ईंधन का अच्छा विकल्प है, खास तौर पर शुरुआती स्तर वाली कारों के लिए यह बेहतर है।

ह्युंडै मोटर इंडिया (एचएमआईएल) के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी प्रति माह लगभग 6,000 सीएनजी वाहन बना रही है। ऑरा और एक्सटर जैसे मॉडलों में इस ईंधन विकल्प की हिस्सेदारी पहले से ही ज्यादा है। गर्ग को लगता है कि डीजल वाहनों के भविष्य के बारे में पूर्वानुमान लगाना मुश्किल है। हालांकि कंपनी को लगता है कि साल 2030 तक कुल यात्री वाहनों की बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 20 से 22 प्रतिशत होगी। ह्युंडै ने साल 2023 के दौरान अपनी 1,100 इओनिक ईवी बेचीं, जबकि उसका आंतरिक लक्ष्य 500 गाड़ियां बेचने का था। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि ईवी श्रेणी और नए अनूठे ट्विन-सिलेंडर सीएनजी श्रेणी की हमारी उत्सर्जन-अनुकूल गाड़ियों की बिक्री में भी वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के दौरान तीव्र वृद्धि दर्ज की गई। नई नेक्सॉन ईवी की शुरुआत और टियागो ईवी की लोकप्रियता कायम रहने की वजह से ईवी की बिक्री में वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही की तुलना में 21 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

देश में कछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ी, कुछ जगहों पर घटीं

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में पैट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। गुजरात और पंजाब में इसकी कीमतें बढ़ी हैं। वहीं महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में कीमतें घटी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मिलाजुला रुख दर्ज किया गया। सुबह डब्ल्यूटी आई क्रूड हल्की बढ़त के साथ 70.50 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ था। वहीं, ब्रेंट क्रूड गिरावट के साथ 75.89 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। गुजरात में पेट्रोल की कीमतों में 84 पैसे की बढ़त हुई है।

वहीं डीजल की कीमतें पहले की ही तरह हैं। वहीं पंजाब में पेट्रोल की कीमतें 51 पैसे और डीजल की 48 पैसे बढ़ी हैं। वहीं मध्य प्रदेश, झारखण्ड और गोवा में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्की बढ़त आई है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 11 पैसे और डीजल 12 पैसे कम हुआ है। वहीं जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी आई है। नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है. वहीं गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर है।

नए साल में 21 महीने के टॉप पर पहुंची बिटकॉइन, निवेशक हुए खुश

नई दिल्ली ।

दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के निवेशकों के लिए नया साल खुशखबरी लेकर आया है। मंगलवार को इसकी कीमत 45,000 डॉलर के पार पहुंच गई। अप्रैल 2022 के बाद पहली बार बिटकॉइन की कीमत इस स्तर पर पहुंची है। एक्सचेंज ट्रेडेड स्पॉट बिटकॉइन फंड्स को मंजूरी मिलने की उम्मीद में बिटकॉइन की कीमत में तेजी आई है। बिटकॉइन की कीमत में पिछले साल यानी 2023 में 156 फीसदी तेजी आई जो 2020 के बाद इसका सबसे बेहतर प्रदर्शन है। मंगलवार को ट्रेडिंग के दौरान बिटकॉइन की कीमत 45,532 डॉलर पर पहुंच गई जो इसका 21 महीने का उच्चतम स्तर है। हालांकि यह अब भी अपने उच्चतम स्तर से काफी दूर है।

नवंबर 2021 में बिटकॉइन की कीमत 69,000 डॉलर के रेकॉर्ड हाई पर पहुंची थी। निवेशकों को उम्मीद है कि अमेरिका का सिक्योरिटीज रेगुलेटर स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी दे सकता है। इससे लाखों निवेशकों के लिए बिटकॉइन मार्केट का रास्ता खुल सकता है और अरबों डॉलर का निवेश आ सकता है। हालांकि इस बीच इथेरियम ब्लॉकचेन नेटवर्क से जुड़ी कॉइन इथर में भी मंगलवार को 1.45 फीसदी तेजी आई और यह 2,386 डॉलर पर पहुंच गई।

सिराज की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीकी टीम 55 रनों पर ही सिमटी

केपटाउन (एजेंसी)। मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां दूसरे टेस्ट मैच के पहले ही दिन मेजबान दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रनों पर ही समेट दिया। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी कर रहे डीन एल्गर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिससे भारतीय गेंदबाजों ने गलत साबित कर दिया। सिंराज ने 15 रन देकर 6 विकेट लिए और मेजबान टीम की बल्लेबाजी धवस्त कर दी। भारतीय गेंदबाजों ने मैच के पहले ही घंटे में 4 विकेट ले लिए। वहीं दूसरे घंटे में 2 विकेट और झटक लिए और दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 6 विकेट पर 34 रन कर दिया। इसके कुछ देर बाद ही पूरी दक्षिण अफ्रीकी टीम 55 रन पर आउट हो गयी। सिराज के अलावा जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट लिए जबकि शार्दुल ठाकुर की जगह शामिल किये गये मुकेश कुमार ने भी दो खिलाड़ियों को आउट किया। आज सुबह पारी की शुरुआत करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने पहला विकेट 5 रनों पर ही खो दिया। सिराज ने शीर्ष के 7 में से 6 बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा ! इसके बाद शुरु हुआ ये सिलसिला पारी के अंत तक चला। अपने धरती पर खेलते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम का टेस्ट में ये सबसे कम स्कोर है। भारतीय टीम ने इस मैच में आर अश्विन की जगह रवींद्र जडेजा को शामिल किया गया है जबकि शार्दुल ठाकुर की जगह मुकेश कुमार को अवसर गया। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम दक्षिण अफ्रीका ने अपनी टीम में तीन बदलाव किए। तेंबु बावुमा के चोटिल होन के कारण इस मैच में डीन एल्गर ने कप्तानी की।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट में बाधा बन सकती है बारिश

केपटाउन । भारत और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के बीच आज यहां होने वाले दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में बारिश से बाधा आ सकती है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज में 1-0 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए ये मैच बेहद अहम है। उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करने का प्रयास रहेगा। इस मैच में अगर बारिश आती है तो इससे भारतीय टीम को ही नुकसान होगा और उसके बराबरी के प्रयासों को झटका लगेगा। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा सहित अन्य भारतीय बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ये टीम के लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि यशस्वी जयसवाल, रोहित शर्मा, शुभममन गिल और श्रेयस अय्यर जैसे भारतीय बल्लेबाजों को पहले टेस्ट में मेजबानों गेंदबाजों मार्को जानसन, कैगिसो रबाडा और नंद्रे बर्गर के खिलाफ बल्लेबाजी में मुश्किलें हुईं थीं। कप्तान टेम्बा बावुमा की गैरमौजूदगी में भी दक्षिण अफ्रीका ने पहले मैच में जीत दर्ज की थी। दूसरे टेस्ट में पहले तीन दिनों में बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे खेल में बाधा नहीं रहेगी पर चौथे और पांचवें दिन बारिश हो सकती है, जिससे खेल का समय कम हो सकता है। सेंचुरियन पिच की तरह केपटाउन का विकेट भी तेज गेंदबाजों का सहायक रहेगा, ऐसे में मेजबान गेंदबाज हावी हो सकते हैं। न्यूलैंड्स क्रिकेट मैदान की पिच में घास होगी, जिससे तेज गेंदबाजों को स्विंग और उछाल मिलेगा पर मैच के अंतिम दो दिनों में स्पिनरों को भी सहायता मिल सकती है।

भारतीय कुश्ती में नया विवाद शुरू, बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ जूनियर पहलवानों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती में जारी संकट में बुधवार को नया मोड़ आया जब सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने कैरियर में एक साल बर्बाद होने के खिलाफ जंतर मंतर पर जमा हुए और उन्होंने इसके लिये बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को दोषी ठहराया।

बता दें कि, बसों में भरकर जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहुंचे। इनमें से करीब 300 बागपत के छपरौली के आर्य समाज अखाड़े से थे जबकि कई नरेला की वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से भी थे। अभी भी कई बसों में बैठे हैं और जंतर मंतर पर अपने साथी पहलवानों से जुड़ने की तैयारी में हैं। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें काबू करने में काफी परेशानी हुई।

वहीं ये पहलवान बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगा रहे थे। इन्होंने बैनर पकड़ रखे थे जिस पर लगा था, ''यूडब्ल्यूडब्ल्यू हमारी कुश्ती को इन तीन पहलवानों से बचाओ।''

गौरतलब है कि, करीब एक साल पहले जंतर मंतर पर ही ये तीनों शीर्ष पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर धरने पर बैठे थे। उस समय किसान समूहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनेताओं, महिला संगठनों और पहलवानों ने इनका समर्थन किया था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में विराट कोहली को हुआ बड़ा फायदा, रोहित शर्मा को झेलना पड़ा नुकसान

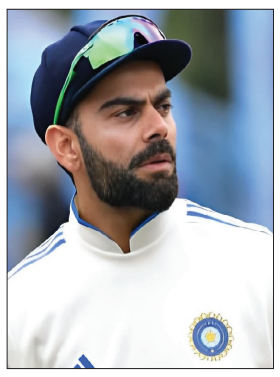

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम इस समय साउथ अफ्रीका दौरे पर हैं। जहां दोनों टीमों के बीच आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इसी बीच आईसीसी ने अपनी टेस्ट रैंकिंग जारी की है। जिसमें विराट कोहली को बड़ा फायदा हुआ है जबकि रोहित शर्मा को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है।

केन विलियमसन टॉप पर काबिज

आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन इस समय नंबर वन पर काबिज हैं। उनकी रेटिंग 864 की हो गई है। वहीं दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के जो रूट हैं, उनकी रेटिंग 859 की है। स्टीव स्मिथ 820 की रेटिंग के साथ नंबर तीन पर जमे हुए हैं। यानी पहली तीन पोजीशन पर कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।

वहीं इसके बाद न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने तीनों स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। डेरिल मिचेल की रेटिंग अब 786 हो गई हैं और वे सीधे नंबर चार पर आ गए हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा 785 की रेटिंग एक स्थान नीचे यानी नंबर पांच पर आ गए हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को एक स्थान का नुकसान हुआ है।

विराट कोहली को फायदा तो रोहित शर्मा को नुकसान

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कोहली ने इस बीच चार स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। वे 761 की रेटिंग के साथ सीधे नंबर 9 पर पहुंच गए हैं। विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले की पहली पारी में 64 बॉल पर 38 रन और दूसरी पारी में 82 बॉल पर 76 रन की पारी खेली थी।

हालांकि, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को चार स्थानों का बड़ा नुकसान हुआ है। जहां वे पहले टॉप 10 में थे लेकिन अब वे सीधे 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सूर्यकुमार फिर आईसीसी के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर की दौड़ में, 2022 में जीत चुके हैं पुरस्कार

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को बुधवार को आईसीसी के पुरुष 'टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर' के लिए चार नामांकन में शामिल किया गया। भारत के इस 33 साल के खिलाड़ी ने 2022 में यह पुरस्कार जीता था। वर्ष 2023 में सूर्यकुमार ने दबदबा बनाते हुए 17 पारियों में 48.86 के औसत और 155.95 के स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए हैं।

सूर्यकुमार ने 2023 की शुरूआत श्रीलंका के खिलाफ महज सात रन से की लेकिन इसके बाद अगले दो मैच में 51 (36 गेंद) और नाबाद 112 (51 गेंद) रन की पारियां खेलीं। सूर्यकुमार की 51 गेंद में नाबाद 112 रन की पारी में नौ छक्के और सात चौके जड़े थे जिससे उन्होंने लगभग तीन गेंद में एक बार बाउंड्री लगाई। इससे वह भारत के लिए पुरुष टी20 मैचों में रोहित शर्मा के बाद दूसरे सबसे तेज शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए। रोहित ने इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 2017 में 35 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। फिर उनका 20 से 40 रन का स्कोर बनाना जारी रहा जिसके बाद प्रोविडेंस में वेस्टइंडीज के खिलाफ 44 गेंद में 83 रन की पारी ने उनकी 'क्लास' साबित की। उन्होंने फिर फ्लोरिडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ 45 गेंद में 61 रन बनाकर श्रृंखला का समापन किया। कप्तानी के बोझ के बावजूद सूर्यकुमार के बल्ले से रन निकलने जारी रहे। उन्होंने साल के अंत में युवा भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 42 गेंद में 80 रन, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 36 गेंद में 56 रन और फिर जोहानिसबर्ग में साल के अंतिम टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महज 56 गेंद में 100 रन बनाए। इस पुरस्कार के नामांकन में तीन अन्य खिलाड़ी जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा (11 पारियों में 515 रन, 17 विकेट), यूगांडा के अल्पेश रामजानी (55 विकेट) और न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन (17 पारियों में 556 रन) शामिल हैं।

साल 2025 तक अफगानिस्तान के कोच रहेंगे ट्रॉट

काबुल । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने टीम के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का करार अब एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ट्रॉट जुलाई 2022 में कोच बने थे। वहीं दिसंबर 2023 के अंत में उनका 18 महीने का कार्यकाल समाप्त हो गया था। उनके कोच रहते हुए अफगान टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर अपने से अधिक रैंकिंग वाली टीमों को हराया था। अफगान टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज जीतने के अलावा बांग्लादेश को पहली बार एकदिवसीय सीरीज में भी हराया था। इसके अलावा उसने एकदिवसीय विश्व कप में अपने से बेहतर टीमें पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और नीदरलैंड को हराया था। अफगानिस्तान टीम अभी यूएई में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इसके बाद उसे इसी माह 11 से 17 जनवरी के बीच भारतीय टीम से भी टी20 सीरीज खेलनी है। एसीबी को उम्मीद है कि ट्रॉट के लंबे अनुभव का लाभ उसे भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में भी मिलेगा।

शुबमन गिल ने अपने टेस्ट करियर में 1000 रन पूरे किए

केपटाउन। केपटाउन में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा और फाइनल टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मैच में टीम इंडिया ने बेहतरीन कमबैक किया है। जहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम को 55 रन पर समेट दिया। वहीं भारतीय पारी के दौरान शुबमन गिल ने अपने टेस्ट करियर में 1 हजार रन पूरे कर लिए हैं। दरअसल, शुबमन गिल ने टेस्ट करियर में अपने 1 हजार रन पूरे करने के लिए 20 टेस्ट मैचों की 39 पारियों का सहारा लिया। इसके अलावा गिल के नाम टेस्ट में दो शतक और चार अर्धशतक भी दर्ज हैं। हालांकि, इससे पहले सेंचुरियन टेस्ट में वो 2 और 26 रन ही बना पाए थे। पहली पारी में उन्हें नांद्रे बर्गर ने आउट किया था। दूसरे में मार्को यानसेन ने 37 गेंदों में 26 रन बनाकर इस खिलाड़ी को अपना शिकार बनाया था। बता दें कि, मेलबर्न में 2020 बॉक्सिंग डे टेस्ट में गिल ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने उस मुकाबले में 45 और 35 नाबाद रन बनाए और भारत ने आठ विकेट से यादगार जीत दर्ज की। इस युवा खिलाड़ी ने गाबा, ब्रिस्बेन में शानदार 91 रन बनाए, जिससे भारत ने चार मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली थी।

अंतिम अंतरराष्ट्रीय टेस्ट जीतना मेरे लिए विश्वकप जीतने के समान होगा : एल्गर

केप टाउन । भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे डीन एल्गर ने कहा है कि अगर वह अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच जीतते हैं तो ये उनके लिए विश्वकप जीतने के समाना होगा। एल्गर ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस सीरीज के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। एल्गर ने कहा कि वह आंकड़ों पर ध्यान नहीं देते और उनका लक्ष्य जीत दर्ज करना रहता है। एल्गर ने कहा कि मैं केवल जीतने के लिए खेलता हूं। मुझे आंकड़ों से फर्क नहीं पड़ता है। मुझे केवल सीरीज में जीत चाहिय। यह सबसे बड़ी यादें है जिसे आप अपनी टीम के साथ साझा कर सकते हैं, उन सभी के साथ जिनके साथ उन्होंने खेला था। एल्गर ने कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ आसान नहीं होता। उनके खिलाफ जीतना विश्व कप जीतने की तरह रहेगा। मुझे वह अवसर कभी नहीं मिला पर यह मेरा विश्व कप है। यह मेरा क्षेत्र है जहां मैं जीतना चाहता हूं। केपटाउन में खेले जाने वाले विदाइगी टेस्ट पर 36 वर्षीय एल्गर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आपको कप्तानी के लिए कहे जाने से बड़ी प्रशंसा या बड़ा श्रेय मिलता है। चाहे मैं खेल रहा हूं या कप्तानी कर रहा हूं, मैं अपना 100 फीसदी योगदान देता हूं गौरतलब है कि कप्तान टेम्बा बावुमा के चोटिल होने के कारण इस मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी एल्गर को मिली है।

टेस्ट क्रिकेट की घटती लोकप्रियता से निराश हैं कमिंस

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व कप्तान स्टीव वॉ के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने भी टेस्ट क्रिकेट की घटती लोकप्रियता पर चिन्ता जतायी है। कमिंस के अनुसार इससे टेस्ट क्रिकेट का भविष्य ही खतरे में पड़ गया है। कमिंस ने कहा कि आज जितने लोग टेस्ट क्रिकेट देखने आ रहे हैं। दो दशक पहले उनकी तादाद काफी अधिक थी।

उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि दस साल या 20 साल में यह अब से भी ज्यादा मजबूत होगा। साथ ही कहा , 'हमने पाकिस्तान के खिलाफ इससे पहले जो दो टेस्ट मैच खेले थे, उसमें अच्छी समर्थन वाली बड़ी भीड़ थी जिससे हमारा हौंसला बढ़ा है।

गौरतल है कि टेस्ट क्रिकेट की अनदेखी को लेकर तब सवाल उठे थे। जब दक्षिण अफ्रीका ने अगले माह न्यूजीलैंड में होने वाली अपनी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दूसरे दर्जे की टीम भेजने की घोषणा की थी। इसका कारण ये था कि दक्षिण अफ्रीका के अधिकतर अनुभवी खिलाड़ी लीग क्रिकेट खेलने के कारण टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये थे।

दक्षिण अफ्रीका की इस 14 सदस्यीय टीम में सात कैप्ड और सात अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, इस टीम में 15 टेस्ट खेलने वाले डुआने ओलिवर सबसे अनुभवी हैं। कमिंस ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड में दूसरे दर्जे की टीम भेजने का दक्षिण अफ्रीका का फैसला केवल एक बार के लिए ही होगा। उन्होंने कहा, 'मैं टेस्ट क्रिकेट को बेहद पसंद करते हुए बड़ा हुआ हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह कई चरणों से गुजरता है। मुझे पता है कि दक्षिण अफ्रीकी टीम अपना सबसे मजबूत पक्ष न्यूजीलैंड नहीं भेज रही है। मुझे उम्मीद है कि अगली बार ऐसा नहीं होगा।

उन्होंने कहा, 'एक टेस्ट क्रिकेट प्रेमी के रूप में, मैं चाहता हूं कि हर कोई टेस्ट क्रिकेट देख रहा हो, लेकिन मैंने आज तक क्रिकेट को इससे अधिक मजबूत कभी नहीं देखा है। कमिंस ने कहा, ' ऑस्ट्रेलिया में हर गर्मी पिछली गर्मियों से बड़ी लगती है, लेकिन जाहिर तौर पर विदेशों में जाकर ऐसा नहीं होता। वहीं इससे पहले वॉ ने भी कहा था कि आईसीसी और अन्य बोर्ड टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी कारण कई क्रिकेट बोर्ड टेस्ट के लिए कमजोर टीम भेज रहे हैं। जिससे बेहतर खिलाड़ियों को लीग क्रिकेट के लिए भेजा जा सके।

किसान की बेटी ने रचा इतिहास, जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय क्रॉस कंट्री स्कीइंग में जीता गोल्ड

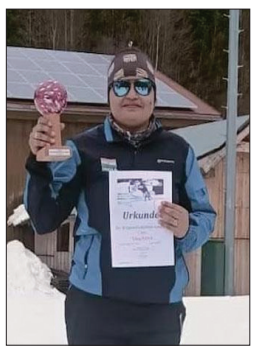

स्पोर्ट्स डेस्क। हरियाणा के एक किसान की 31 वर्षीय बेटी विकास राणा ने जर्मनी में क्रॉस कंट्री स्कीइंग चैंपियनशिप में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। हरियाणा में जींद के उचाना क्षेत्र के सुखैन खुर्द गांव के रहने वाली राणा एशियाई खेलों में भी भारत का नेतृत्व कर चुकी हैं। उन्होंने सिर पर 'महाकाल' लिखा स्की बैंड पहनकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कहा, 'मैंने 31 दिसंबर को जर्मनी में आयोजित पांच किलोमीटर क्रॉस कंट्री स्कीइंग में स्वर्ण पदक जीता। यह इस तरह के टूर्नामेंट में पहला पदक था। मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की और कश्मीर के गुलमर्ग में प्रशिक्षण लिया। तालियां देखकर मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। मैं भगवान शिव में आस्था रखती हूं और मेरा मानना है कि उन्होंने टूर्नामेंट जीतने में मदद की। इसलिए मैंने महाकाल बैंड पहना।' विकास राणा ने राष्ट्रीय खेलों में चार स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते। राणा के पिता ओमपाल एक किसान हैं और उनकी मां एक गृहिणी हैं। उन्होंने छोटी उम्र में ही स्कीइंग का अभ्यास शुरू कर दिया था और ज्यादातर समय गुलमर्ग में अभ्यास करती थीं। उन्होंने कहा, 'एक साधारण वित्तीय पृष्ठभूमि से होने के कारण समस्याएं आईं लेकिन अपने परिवार, दोस्तों, कोचों और खेल मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं के समर्थन से मैंने सभी समस्याओं पर काबू पा लिया। मैंने अपना सारा समय अभ्यास के लिए समर्पित कर दिया। एक पदक बहुत कुछ लेकर आता है, तैयारी और वर्षों की योजना का। मुझे खुद को साबित करने का मौका देने के लिए मैं वास्तव में अपने देश का आभारी हूं।'

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20आई सीरीज के लिए तेज गेंदबाज हेनरी को शामिल किया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच टी20आई मैचों की सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इस मैच के लिए तेज गेंदबाज मैट हेनरी को अपनी टीम में शामिल किया है। हेनरी अब अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर गये हैं। इस चोट के कारण वह आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप से बाहर थे। न्यूजीलैंड और पाक के बीच ये सीरीज 12 जनवरी से शुरू होगी। वहीं कप्तान केन विलियमसन और सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे भी इस सीरीज के लिए तैयार हैं। विलियमसन हालांकि इस सीरीज के तीसरे टी20आई (डुनेडिन में) में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अपने घुटने की चोट से परेशान हैं। ऐसे में उनकी जगह पर अनकैप्ड जोश क्लार्कसन को मैच के कवर के तौर पर शामिल किया गया है। वहीं मिशेल सेंटनर टीम की कप्तानी करेंगे। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ हुई सीरीज कई कारणों से अहम थी और उन्होंने टी20 विश्व कप नजदीक होने के कारण इस सीरीज पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, मैट, डेवोन, लॉकी और विलियमसन की वापसी का हम स्वागत करते हैं। साथ ही कहा कि ये ऐस खिलाड़ी जिनका कौशल और अनुभव टीम को बेहतर बनाता है। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप से पहले केवल तीन टी20 सीरीज बची हैं, सभी मैच हमारी तैयारी के लिए बेहद अहम हैं। वहीं तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन भी चोट अपनी चोट से उबर गये हैं और वह भी इस सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। फर्ग्यूसन इस सीरीज के कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं ऐसे में 25 वर्षीय तेज गेंदबाज बेन सियर्स को इस सीरीज के शुरुआती दो मैचों के लिए शामिल किया गया है। सियर्स ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं काइल जैमीसन को टी20आई श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं जबकि ट्रेंट बोल्ट (यूएई) और जिमी नीशम (दक्षिण अफ्रीका) विदेशी टी20 लीग प्रतिबद्धताओं के कारण टीम में शामिल नहीं हैं।

न्यूजीलैंड टी20 टीम इस प्रकार है-केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन (केवल मैच 3), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सैंटनर, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

एशियन फुटबॉल कप के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान, सुनिल छेत्री को कप्तानी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। जनवरी में होने वाले एएफसी एशियन कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम ने 26 खिलाड़ियों का स्क्वॉड जारी कर दिया है। सुनिल छेत्री को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं स्टार गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और डिफेंडर संदेश झिंगन भी टीम का हिस्सा होंगे। सुनिल छेत्री और गुरप्रीत सिंह संधू 2011 एएफसी एशियन कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे। छेत्री ने बहरीन और साउथ कोरिया के खिलाफ एक-एक गोल किया था। एशियन कप में भारत ग्रुप बी में है। भारत का पहला मैच 13 जनवरी को अल रेयान के अहमद बिन अली स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट कतर में 12 जनवरी से 10 फरवरी तक खेला जाएगा। भारतीय फुटबॉल टीम पांचवीं बार एशियन कप में हिस्सा लेगी। इससे पहले टीम 1964,1984, 2011 और 2019 में टूर्नामेंट खेल चुकी है। 1964 में टीम ने बेस्ट प्रदर्शन किया था और फाइनल खेला था। वहीं, बाकि तीन एडिशन में भारत ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया था। इस बार एशियन कप में भारत के ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, उज्बेक्तिान और सीरिया होगा। भारत का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 जनवरी, दूसरा मुकाबला उज्बेकिस्तान के खिलाफ 18 जनवरी और सीरिया के खिलाफ तीसरा मुकाबला 23 जनवरी को होगा।

संजय सिंह के बिना ब्ल्यूएफआई हमें स्वीकार्य : साक्षी मलिक

केपटाउन (एजेंसी)। नई दिल्ली = ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने बुधवार को कहा कि नए भारतीय कुश्ती महासंघ से उन्हें कोई ऐतराज नहीं है अगर बृजभूषण शरण सिंह के विश्वस्त संजय सिंह को इससे अलग रखा जाता है। साक्षी ने 21 दिसंबर को संजय सिंह के डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बनने के बाद खेल से संन्यास ले लिया था। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता ने दावा किया कि उनकी मां को डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के समर्थक धमकीभरे फोन कर रहे हैं।

मलिक ने पत्रकारों से कहा, 'हमें नये महासंघ से कोई परेशानी नहीं है। सिर्फ एक व्यक्ति संजय सिंह के रहने से परेशानी है। संजय सिंह के बिना नए महासंघ से या तदर्थ समिति से भी हमें कोई मसला नहीं है।' उन्होंने कहा, 'सरकार हमारे लिए अभिभावक की तरह है और मैं उनसे अनुरोध करूंगी कि आने वाले पहलवानों के लिए कुश्ती को सुरक्षित बनाए। आपने देखा है कि संजय सिंह का बर्ताव कैसा है। मैं नहीं चाहती कि महासंघ में उसका दखल हो।'

उन्होंने कहा, 'मैं अनुरोध ही कर सकती हूं। अगर मंत्रालय कहता है कि वह वापस नहीं आयेगा तो अच्छा है। सभी ने देखा कि डब्ल्यूएफआई चुनाव के बाद बृजभूषण सिंह ने कैसे सत्ता का दुरूपयोग किया। बिना किसी से पूछे अपने शहर में जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने का ऐलान कर दिया।'

साक्षी ने तदर्थ समिति से तुरंत जूनियर वर्ग के टूर्नामेंट कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहती कि हमारी वजह से जूनियर पहलवानों का नुकसान हो। तदर्थ समिति सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की घोषणा कर चुकी है और अब मैं अनुरोध करूंगी कि अंडर 15, अंडर 17 और अंडर 20 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का भी ऐलान किया जाए।'

इस बीच सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने करियर में एक महत्वपूर्ण साल बर्बाद होने के खिलाफ बुधवार को जंतर मंतर पर जमा हुए हैं और उन्होंने इसके लिए बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को दोषी ठहराया। साक्षी ने कहा, 'पिछले दो तीन दिन से बृजभूषण के गुंडे सक्रिय हो गए हैं। मेरी मां को धमकीभरे फोन किए जा रहे हैं। लोग फोन करके कह रहे हैं कि मेरे घर में किसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा। सोशल मीडिया पर लोग हमें गालियां दे रहे हैं लेकिन उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि उनके घर में भी बहन बेटियां हैं।'

यह पूछने पर कि क्या वह खेल प्रशासक बनना चाहती हैं, उन्होंने ना में जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'मैं परेशान हूं। मैं बस इतना चाहती हूं कि जूनियर पहलवानों को नुकसान नहीं हो।

इसके अलावा अभी मेरे दिमाग में कुछ नहीं है। हमें जूनियर पहलवानों के नुकसान के लिए दोषी ठहराया जा रहा है जो गलत है। अगर महिलाएं खेल प्रशासन में होंगी तो अच्छा होगा।' जूनियर पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ जंतर मंतर पर प्रदर्शन के बारे में बताने पर उन्होंने कहा, 'मैंने कुश्ती को 18-20 साल दिए हैं। मुझे ही पता है कि पिछले कुछ महीनों में मैंने क्या कुछ सहा है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यटन का खास मुकाम

डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें स्त्रोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में रूप लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है। वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुगुना कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौंदर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि कायाकिंग, केनोइंग डोंगी पानी पर सर्फिंग करना व ऐंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुटूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जाड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठायें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के घने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने का अनुभव धर्मशाला में मिलता है। यहां सीधे-सादे और बौध धर्म के बिरले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को मिलते हैं। धर्मशाला में झरने व सुहाने नजारे इस जगह को सभी की पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन ब्रिटिश काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतियों की संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल ल्हासा के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन है। इसे साल 1855 में अंग्रेज ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 रिजॉर्ट्स में से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार करवाया था।

गद्दी, तिब्बती, टेकर्स, टूरिस्ट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बसे ऊपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडगंज में दलाई लामा का निवास है। दोनों जगह की दूरी 10 किलोमीटर है। जहां तक घूमने की बात है, तो धर्मशाला में आपको अडवेंचरस व स्प्रिचुअल माहौल मिलेगा। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गूंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मन को एक ठहराव देती हैं। ऐसे में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अधूरा है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी इंसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे,धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जरूर है और अलग-अलग समाधियों में भगवान बुद्ध की तांबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर खिंचे आना हैरानी की बात नहीं है। अगर आप मेडिटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेडिटेशन सेंटर में मोंक्स द्वारा दी जाने वाली क्लासेज जॉइन की जा सकती है। यहां आपको साफ-सुथरे आवास की सुविधा भी मिलेगी। मेडिटेशन सीखने के बाद नेचुंग मोनेस्ट्री में 3किलोमीटर बना म्यूजियम देख सकते हैं। नोबरलिंगा इंस्टीट्यूट में आप नए आर्टिस्ट्स को थंगका पेंटिंग्स सीखते देख सकते हैं। अगर आप दाल, चावल, रोटी और सैंडविच खाकर बोर हो गए हैं तो यहां आप बेहतरीन तिब्बती खाने का मजा ले सकते हैं।

> धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

यहां के कई रेस्तरांओं में आपको लजीज मोमोज व थुक्पा खाने को मिलेंगे। खाने का लुत्फ लेने के बाद आप लंबी वॉक, ट्रेकिंग और खूबसूरत नजारों में पिकनिक का मजा ले सकते हैं। यहां से 8 किलोमीटर आगे आपको ब्रिटिश राज का मेमोरियल चर्च ऑफ सेंट जॉन-इन-द विल्डरनेस देख सकते हैं। इसे ब्रिटिश वायसरॉय लॉर्ड एलगिन के नाम पर बनाया गया है। निचले धर्मशाला में बना कांगड़ा आर्ट म्यूजियम कांगड़ा के सालों पुराने इतिहास को दिखाता है।

म्यूजियम की एक गैलरी में आपको कांगड़ा की मशहूर पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिट्टी के बर्तन और एंथ्रोपॉलजी से जुड़ी तमाम चीजें देखने को मिलेंगी। धर्मशाला के एंट्री पॉइंट पर आपको एक वॉर मेमोरियल देखने को मिलेगा, जिसे स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद होने वाले जवानों की याद में बनवाया गया है। धर्मशाला में धर्मकोट व डल लेक जैसे पिकनिक स्पॉट्स भी हैं और यहां सितंबर के महीने में हर साल एक बड़ा मेला भी लगता है।

इसी के पास भगसुनाथ की श्राइन भी है। इस पुराने मंदिर के पास से बहते ताजे पानी से झरने इस जगह को एक अलौकिक नजारा बना देते हैं। देवी कुणान पथरी को समर्पित मंदिर, ततवानी के गर्म पानी के झरने और मछरैल के बड़े वॉटरफॉल भी देखने लायक जगहें हैं। अगर वुड वर्क में दिलचस्पी रखते हैं तो नॉरबुलिंका इंस्टीट्यूट जरूर जाएं। यहां हो रहे काम की आर्ट को देखकर निश्चित तौर पर आप हैरान रह जाएंगे। स्वामी चिन्मानंद द्वारा बनाया गया चिन्मय तपोवन भी एक दर्शनीय जगह है। बिंदु सारस के किनारे बसे इस आश्रम में आपको नौ मीटर ऊंची हनुमान जी की मूर्ति, राम मंदिर, मेडिटेशन हॉल वगैरह दिखेंगे।

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लाइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है। यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहां से धर्मशाला 85 किलोमीटर की दूरी पर है। सड़क मार्ग से यहां चंडीगढ़, कीरतपुर और बिलासपुर होते हुए पहुंचा जा सकता है। तिब्बती नए साल यानी मार्च के आस-पास यहां बहुत टूरिस्ट आते हैं। वैसे, मई से अक्टूबर के बीच ट्रैकिंग सीजन रहता है। धर्मशाला में हैंडीक्राफ्ट मसलन तिब्बती कार्पेट, टेक्स्टाइल, ट्रडिशनल, हैट्स, बैग्स, ट्राउजर्स, मेटलवर्क, जूलरी, जैकेट व हाथ से बने कार्डिगन आदि के शौकीनों के लिए ढेर सारी जगहें हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेटावर्स की दुनिया में पहली बार हुआ नाबालिग से वर्चुअली सामूहिक दुष्कर्म

न्यूयॉर्क। मेटावर्स की दुनिया में कब क्या हो जाए कोई नहीं जानता। हर रोज होने वाले साइबर क्राइम इसका सटीक उदाहरण है। इस बार जो क्राइम सामने आया है उसने पूरी दुनिया को हिला दिया है।ऑनलाइन मेटावर्स में एक 16 वर्षीय लड़की पर यौन हमले की घटना चौंका रही है। जिसमें एक नाबालिग के साथ वर्चुअली सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। घटना की ब्रिटेन पुलिस वर्चुअल रियलिटी गेम में कथित बलात्कार के पहले मामले की जांच कर रही है। .रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि लड़की के अवतार यानी उसके डिजिटल कैरेक्टर के साथ ऑनलाइन अजनबियों द्वारा गैंगरेप किया गया था। इस घटना से लड़की परेशान हो गई थी। वहीं दूसरी तरफफेसबुक की मूल कंपनी, मेटा द्वारा संचालित एक फ्री वीआर गेम - होराइजन वर्ल्ड्स में वर्चुअल यौन अपराधों की कई रिपोर्टें आई हैं। मेटा के एक प्रवक्ता ने कहा, जिस तरह के व्यवहार का वर्णन किया गया है उसका हमारे प्लेटफॉर्म पर कोई स्थान नहीं है, यही कारण है कि सभी यूजर्स के लिए हमारे पास पर्सनल बाउंड्री नामक एक ऑटोमैटिक प्रोटेक्शन है, जो उन लोगों को आपसे कुछ फीट की दूरी पर रखती है जिन्हें आप नहीं जानते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब लड़की (यानी उसके डिजिटल अवतार) के साथ कथित तौर पर पुरुषों के एक समूह द्वारा बलात्कार किया गया तो उसने एक इमर्सिव गेम में वर्चुअल रियलिटी हेडसेट पहना हुआ था। हालांकि उसे कोई शारीरिक चोट नहीं आई, लेकिन जांच अधिकारियों ने कहा कि उसे भी उतना ही भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक आघात झेलना पड़ा जितना वास्तविक दुनिया में बलात्कार का शिकार हुई किसी महिला को हुआ होता। ऐसा माना जाता है कि यह मामला पुलिस द्वारा जांच किया गया पहला वर्चुअल यौन अपराध है। मामले पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इस बच्ची को शारीरिक रूप से बलात्कार किए गए किसी व्यक्ति के समान मनोवैज्ञानिक आघात का अनुभव हुआ। पीड़िता पर किसी भी शारीरिक चोट की तुलना में भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव लंबे समय तक रहता है। अधिकारी ने कहा, इस तरह का मामला कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए कई चुनौतियां खड़ी करता है क्योंकि मौजूदा कानून इसके लिए स्थापित नहीं हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि कथित अपराध के समय लड़की कौन सा गेम खेल रही थी। इस ऐतिहासिक मामले की जांच से अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या पुलिस को वर्चुअल अपराधों पर कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि पुलिस और अदालतें वर्तमान में वास्तविक बलात्कार के मामलों के भारी मामलों से जूझ रहे हैं। हालांकि, ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने वर्चुअल रियालिटी रेप जांच का बचाव करते हुए कहा है कि बच्ची यौन आघात से गुजरी है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि इसे खारिज करना आसान है क्योंकि यह असली नहीं है, लेकिन इस वर्चुअल दुनिया का पूरा मुद्दा ही यही है कि वे असली जैसे लगते हैं।

जापान में भूकंप से करीब 62 लोगों की मौत

टोक्यो। पश्चिमी जापान में एक के बाद एक आए भूकंप के कई झटकों में बुधवार तक करीब 62 लोगों की मौत हुई हैं। बचावकर्मी क्षतिग्रस्त इमारतों के मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इशिकावा प्रांत और आसपास के इलाकों में पानी, बिजली और फोन सेवाएं अब भी बंद हैं। लोग तबाह हुए घरों और अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। अपने घर के आसपास से मलबा हटाने में लगी इशिकावा निवासी मिकी कोबायाशी ने कहा,'' दीवारें ढह गई हैं मुझे नहीं लगता कि घर अब रहने लायक है। उन्होंने कहा कि 2007 में भी भूकंप में उनका घर क्षतिग्रस्त हो गया था। इशिकावा के प्रांतीय अधिकारियों के अनुसार,वाजिमा शहर में 29 लोगों की मौत हुई है जबकि सुजु में 22 लोगों की जान चली गई। वहीं, आसपास के प्रांतों में दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आपदाओं में विशेषज्ञता रखने वाले 'यूनिवर्सिटी ऑफ टोक्यो' के प्रोफेसर तोशिताका कटाडा ने कहा कि इस क्षेत्र में हाल के वर्षों में कई बार भूकंप आए हैं जिस कारण लोग इस आपदा के लिए तैयार थे।

अमेरिका में संघीय सरकार का कुल राष्ट्रीय कर्ज 34,000 अरब डॉलर के पार

वाशिंगटन । अमेरिका में संघीय सरकार का कुल राष्ट्रीय कर्ज 34,000 अरब डॉलर के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। कर्ज के इस स्तर से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में बाइडेन सरकार को देश के बही-खाते को सुधारने के लिए राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर कई चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। अमेरिकी वित्त विभाग ने वित्तीय स्थिति पर एक रिपोर्ट जारी की है। यह राजनीतिक रूप से बंटे देश के लिए तनाव पैदा करने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, बिना वार्षिक बजट के बाइडेन सरकार के कामकाज के कुछ हिस्सा ठप हो सकता है। रिपब्लिकन सांसदों और व्हाइट हाउस ने पिछले साल जून में देश की ऋण सीमा को अस्थायी रूप से हटाने पर सहमति व्यक्त की थी, जिससे ऐतिहासिक चूक या 'डिफॉल्ट' का जोखिम टल गया था। यह समझौता जनवरी, 2025 तक चलेगा। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज कहीं अधिक तेजी से बढ़ा है। कांग्रेस के बजट कार्यालय ने जनवरी, 2020 में वित्त वर्ष 2028-29 में सकल संघीय ऋण 34,000 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान लगाया था। लेकिन 2020 में शुरू हुई कोविड महामारी की वजह से कर्ज इस स्तर पर अनुमान से कई साल पहले पहुंच गया है। राष्ट्रीय कर्ज का फिलहाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कोई बोझ नहीं दिख रहा है, क्योंकि निवेशक संघीय सरकार को कर्ज देने को तैयार हैं। यह कर्ज सरकार को कर बढ़ाए बिना कार्यक्रमों पर खर्च जारी रखने की अनुमति देता है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले दशकों में कर्ज का यह रास्ता राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई बड़े कार्यक्रमों को जोखिम में डाल सकता है।

जापान में सुनामी से दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र को हुआ खतरा

टोक्यो ।जापान में भूकंप के तेज झटके के बाद आई सुनामी से खतरा बढ़ गया है। यहां पर सुनामी की लहरें अभी 0.4 मीटर (1.3 फीट) ऊंची हैं। हालांकि लहरों के और ज्यादा ऊंचे होने की आशंका है। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि जापान के निगाटा प्रान्त में दुनिया के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र काशीवाजाकी-कारीवा के पास 0.4 मीटर (1.3 फीट) ऊंची सुनामी दर्ज की गई। फुकुई प्रीफेक्चर सुरक्षा समिति ने कहा कि संयंत्र की परमाणु सुविधाओं में कोई आपातकालीन स्थिति दर्ज नहीं की गई है। एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के उत्तरी द्वीप होक्काइडो से लेकर दक्षिणी द्वीप क्यूशू तक के पूरे पश्चिमी तट पर सुनामी का खतरा जारी किया गया है, जबकि इशिकावा प्रान्त में कई भूकंपों के बाद बड़ी सुनामी का खतरा घोषित किया गया है। स्थानीय समयानुसार 16:06 (07:06 जीएमटी) से शुरू होकर, इशिकावा और निगाटा प्रान्त के क्षेत्र में 4.3 से 7.6 तीव्रता वाले नौ भूकंप आए। सुनामी को लेकर जापान के मी ?डिया ने चेताया कि समुद्र में लहरें पांच मीटर तक पहुंच सकती हैं। इसने लोगों से जल्द से जल्द ऊंचे स्थानों या पास की इमारत की ऊपरी मंजिलों पर चले जाने का आग्रह किया। हालांकि भूकंप के कारण क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है। एनएचके के मुताबिक, जापान के पश्चिमी तट पर निगाटा और अन्य क्षेत्रों में लगभग तीन मीटर ऊंची सुनामी आने की आशंका जताई गई। इसके अनुसार, समुद्र तट पर कम ऊंचाई की सुनामी लहरें पहले ही दर्ज की गई हैं।

पाकिस्तान का डर, प्रदर्शन के बीच 44 सरकारी कर्मचारियों को हटाया

इस्लामाबाद। एक बार फिर पाकिस्तान डरा हुआ नजर आ रहा है। वजह ये है कि बलूचिस्तान में सरकार ने तुर्बत और कोहलू में बालाच बख्श की हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेने और उसे बढ़ावा देने के लिए 44 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित होने वाले अधिकारियों में तुर्बत के ग्रेड 1 से 15 तक के 30 कर्मचारियों को निलंबित किया गया है और ग्रेड 16 के कुछ अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है। मकरान डिविजन के कमिश्नर ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर के इस बात की जानकारी दी की तुर्बत में विभिन्न विभागों के 30 से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों के मुताबिक यह निर्णय हाल ही में जिला खुफिया विभाग की बैठक में लिया गया है। बैठक में यह माना गया कि इन अधिकारियों की संलिप्तता सरकार विरोधी धरने और रैली में थी। तुर्बत में प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब आतंकवाद निरोधक विभाग यानी सीटीडी की न्यायिक हिरासत में फर्जी मुठभेड़ में बालाच बलूच और अन्य तीन की मौत हो गई। जब तीनों का शव परिवारों को सौंपा गया तो उन्होंने इसे हत्या करार दिया और शव को शहीद फिदा चौक पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बालाच के घरवालों का कहना था कि पुलिस उनकी नहीं सुन रही, ना ही उनकी एफआईआर लिख रही है। इसके बाद प्रदर्शन की आग पूरे जिले में फैल गई। धीरे-धीरे यह विरोध पाकिस्तानी सेना के बलूची लोगों पर किए गए अत्याचारों के खिलाफ एक मुहिम में बदल गया। इसके अलावा कोहलू में 14 सरकारी कर्मचारी धरने में भाग लेने और लंबे समय तक समर्थन करने की वजह से निलंबित कर दिया गया है।

उत्तर कोरिया में शीर्ष नेता किम जोंग उन कृषि उपकरणों की एक प्रदर्शनी को देखते हुए।

सवीरा का दावा-चुनाव जीती तो भारत पाकिस्तान की कड़वाहट को मिठास में करेंगे तब्दील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हो रहे आम चुनाव में उम्मीदवार अपनी जीत के लिए तरह तरह के दावे और वादे कर रहे हैं। इन्ही प्रत्याशियों में शुमार हैं पहली हिंदू महिला डॉ सवीरा प्रकाश। उन्होंने दावा करते हुए कहा है कि यदि हमारी जीत सुनिश्चित होती है तो भारत और पाकिस्तान के बीच घुली कड़वाहट को मिठास में तब्दील करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। डॉ सवीरा अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बुनेर निर्वाचन क्षेत्र से मैदान में उतरी हैं। उन्होंने कहा है कि अगर वह चुनी जाती हैं, तो वह पाकिस्तान और भारत के बीच राजनयिक सेतु बनाने में मदद करेंगी। पेशे से डॉक्टर 25 वर्षीय सवीरा ने पिछले हफ्ते बुनेर जिले में पीके-25 सामान्य सीट के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) से अपना नामांकन दाखिल किया था। खबर के अनुसार, सवीरा ने कहा कि उन्हें 'बुनेर की बेटी' की उपाधि मिली है, जबकि 'मुस्लिम भाइयों' ने उन्हें न केवल वोट देने का आश्वासन दिया है, बल्कि अपना पूरा समर्थन भी दिया है। डॉ. सवीरा ने कहा कि निर्वाचित होने पर वह पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं की समस्याओं को हल करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि वह एक देशभक्त हिंदू हैं और 'बुनेर की बेटी' की उपाधि मिलने के बाद उनका मनोबल और बढ़ गया है। डॉ. सवीरा ने कहा कि यदि वह निर्वाचित होती हैं तो वह इस्लामाबाद और नई दिल्ली के बीच संबंधों के प्रति सकारात्मक भूमिका निभाएंगी। दोनों देशों के हिंदू बिना किसी हिचकिचाहट के उनसे संपर्क कर सकेंगे।

पाकिस्तान ने भारत की रॉ पर लगाया आतंकियों को फंडिंग का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के केयरटेकर पीएम अनवारुल हक काकड़ ने भारत की खुफिया एजेंसी रॉ पर आतंकियों को फंडिंग करने का आरोप लगाया है। कार्यवाह पीएम अनवारुल हक काकड़ ने बलोचिस्तान की आजादी की मांग करने वालों को आतंकी बताते हुए कहा कि इन्हें रॉ फंड करता है। उन्होंने हिंदुओं को लेकर एक अजीबोगरीब बयान दिया है। इस्लामाबाद में बलूच विरोध प्रदर्शन को लेकर वह भड़क गए हैं। उन्होंने इस प्रदर्शन को लेकर जवाब दिया है। दरअसल इस्लामाबाद पहुंचे बलोचिस्तान के चार युवाओं को पुलिस ने एक फेक एनकाउंटर में मार दिया था। इसके लिए इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च निकाला जा रहा था, जिस पर पुलिस ने कहर बरपाया। गौरतलब है कि इस्लामाबाद में एक सप्ताह से ज्यादा समय से प्रदर्शन जारी है। मारे गए लोगों के घर वाले उनके शवों की मांग कर रहे हैं। क्योंकि केयर टेकर पीएम का संबंध बलोचिस्तान से है, इसलिए उनकी सबसे ज्यादा आलोचना हो रही है।

प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि बलूच होने के बाद भी वह उनका मुद्दा हल नहीं कर रहे। लोगों का कहना है कि बलूच उन्हें याद रखेगा।

इस्लामाबाद में होने वाले प्रदर्शन को लेकर काकड़ बौखला गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में 15-20 मिनट तक वह बोलते रहे। इसमें कई बार वह नाराज भी दिखे। एक रिपोर्टर जब उनसे सवाल पूछने के लिए खड़ा हुआ तो काकड़ ने गुस्से में कहा, एक मिनट, बैठें, मुझे बोलने दें। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई बलोचिस्तान के सशस्त्र संगठनों के खिलाफ है। बलूचों के नहीं। जो लोग विरोध में बाहर से शामिल हुए हैं, उन्हें जवाब देना चाहिए कि डॉ. शफी मेंगल की हत्या किसने की? क्या वह बलूच नहीं था? क्या वह हिंदू था या हिंदुस्तान से आया था? मौला बक्स दश्ती कौन था? क्या वह हिंदू, अंग्रेज, ईसाई या यहूदी था? क्या वह बलूच नहीं था?

प्रदर्शन का समर्थन करने वालों को उन्होंने बीएलए जॉइन करने की नसीहत दी है। कार्यवाहक पीएम ने जोर देकर कहा प्रदर्शनकारियों को प्रदर्शन का अधिकार है, क्योंकि उनके परिवार के लोग मारे गए हैं। लेकिन उन्हें यह भी समझना चाहिए कि उनके परिवार के लोग देश के खिलाफ लड़ रहे थे। पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि यह 1971 नहीं है और बलोचिस्तान बांग्लादेश नहीं है जो अलग हो जाएगा। इसके आगे उन्होंने कहा, ये आतंकी 90-90 कत्ल करते हैं। हिंदुस्तान से पैसा लेकर यह कत्ल करते हैं। खुलेआम कहता हूं। रॉ और भारत की फंडिंग के साथ करते हैं। बताएं कि क्या ये नहीं करते हैं।

शेख हसीना ने अमेरिका पर लगाया सत्ता से हटाने की साजिश का आरोप

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने अमेरिका पर सत्ता से हटाने की साजिश का आरोप लगाया है। लेकिन उन्होंने भरोसा जताया कि बांग्लादेश के लोग सात जनवरी के चुनाव में उन्हें सत्ता से हटाने के अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्रकारियों के प्रयासों का करारा जवाब देंगे। सत्ताधारी अवामी लीग पार्टी की अध्यक्ष हसीना ने कहा कि वह चाहती हैं कि 12वां संसदीय चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो। उन्होंने कहा कि हम अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न नाव के साथ सात जनवरी के चुनाव में भाग लेंगे। वोट नाव के लिए डालने के लिए मतदान केंद्रों पर जल्दी जाएं और दुनिया को दिखाएं कि हम स्वतंत्र, निष्पक्ष और तटस्थ तरीके से चुनाव करा सकते हैं। हसीना ने ढाका से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में तुंगीपाड़ा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव को विफल करने के लिए तरह-तरह की साजिशें रची जा रही हैं। कई लोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शामिल हैं। वे बांग्लादेश में तीसरी पार्टी को सत्ता में लाने के लिए काम कर रहे हैं।

हसीना ने कहा कि तीसरी पार्टी क्या कर सकती है? वे देश में कोई विकास नहीं कर सकते। आपने देखा था कि उन्होंने 2007 में क्या किया था। इधर बढ़ती हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने कहा कि वह चुनाव का बहिष्कार करेगी। गौरतलब है कि बीएनपी ने 2014 के चुनाव का भी बहिष्कार किया था, लेकिन 2018 के चुनाव में हिस्सा लिया था। साल की शुरुआत में अमेरिका और अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों ने समावेशी और विश्वसनीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सत्तारूढ़ अवामी लीग और विपक्ष के बीच बातचीत का आह्वान किया था, हालांकि दोनों पक्षों की अनिच्छा के कारण कोई प्रगति नहीं हुई।

गौरतलब है कि शेख हसीना देश में प्रधानमंत्री पद पर सबसे अधिक समय से आसीन हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल वर्ष 1996 से 2001 तक था, लेकिन इसके बाद वह लगातार तीन बार-2009 से 2014, 2014 से 2019 और 2019 से अब तक प्रधानमंत्री के पद पर आसीन हैं। विपक्षी दल बीएनपी को एक आतंकवादी पार्टी और जमात-ए-इस्लामी (जमात) को युद्ध अपराधियों का संगठन करार देते हुए प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि उनके पास देश को आगे ले जाने की कोई क्षमता नहीं है। हसीना ने बीएनपी-जमात के लोगों के कथित आपराधिक कृत्यों की कड़ी आलोचना की और इसकी तुलना गाजा के अस्पतालों में बच्चों और महिलाओं की हत्याओं से की।

इजरायल के पूर्व जनरल का दावा कहा- गाजा में नेतन्याहू की रणनीति असफल, हिजबुल्लाह से भी बढ़ा खतरा

तेलअवीव। इजरायल के पूर्व जनरल ने गाजा के युद्ध में पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के फेल होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि आईडीएफ हमास का मुकाबला करने और सुरंगों पर नियंत्रण करने में नाकाम रही है। अब उस पर हमास ही नहीं हिजबुल्लाह के हमले का भी खतरा मंडरा रहा है। इजरायल के सेवानिवृत्त जनरल यित्ज़ाक बारिक ने दावा किया है कि इजराइल गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध में अपने लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहा है और वह हमास को नष्ट करने जैसे काल्पनिक कार्यों का लक्ष्य बना रहा है। उन्होंने कहा कि इजरायल हमास का मुकाबला करने और सुरंगों पर नियंत्रण करने में नाकाम रहा। आईडीएफ के पूर्व दिग्गज बारिक ने चेतावनी दी है कि हमास के खिलाफ जंग में उलझे इजरायल पर अब लेबनान के आतंकी समूह हिजबुल्लाह के हमले का भी खतरा है। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ भी इजरायल के युद्ध की संभावना है। हिजबुल्लाह गाजा में हमले के लिए इजरायल को दोषी ठहराता है। इस पर उसने 7 अक्टूबर के बाद से इजरायल की घेराबंदी भी की है। इजरायल भी हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमला करता रहा है। बात 2006 में इजरायल-लेबनान युद्ध की है। हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच भयंकर युद्ध हुआ था। इजरायल ने इस युद्ध को खत्म करने के लिए एक या दो दिन का वक्त मांगा था। हालांकि 33 दिनों तक चले इस युद्ध में इजरायल को हार का सामना करना पड़ा था। इस युद्ध में इजरायल को 200 से 250 सैनिक, 20टैंक, 3 हैलीकॉप्टर, 1 पोत, लगभग 50 नागरिक खोने पड़े। जबकि दूसरी तरफ 150 से 200 हिजबुल्लाह लड़ाके, लगभग 800 - 900 लेबनानी नागरिक मारे गए थे।

रूस की अध्यक्षता में सऊदी-यूएई समेत 5 देश ब्रिक्स के सदस्य बने

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अध्यक्षता में अब ब्रिक्स में पांच नए सदस्य शामिल हो गए हैं। बता दें कि इस वक्त ब्रिक्स की कमान रूस के पास है। इन पांच नए सदस्यों में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात हैं। अभी तक ब्रिक्स में सिर्फ भारत, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील ही शामिल थे। ब्रिक्स दुनिया के विकासशील देशों का एक समूह है। जिसमें शामिल होने के लिए भारत का पड़ोसी पाकिस्तान भी कोशिश कर रहा है, लेकिन उसे सदस्यता नहीं मिल सकी है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत उसे ब्रिक्स का सदस्य बनने नहीं दे रहा, जबकि चीन चाहता है कि उसे सदस्यता मिले। दरअसल इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता रूस के पास है। ब्रिक्स के अध्यक्ष रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि की है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में हुए शिखर सम्मेलन के दौरान इन पांचों देशों को ब्रिक्स में शामिल करने पर औपचारिक सहमति बन गई थी। उस वक्त अर्जेंटीना ने भी ब्रिक्स में शामिल होने में रूचि दिखाई थी, लेकिन देश में चुनाव बाद हुए सत्ता परिवर्तन के बाद उसने दूरी बना ली है।

उधर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने ऐलान किया है कि उनका देश ब्रिक्स का सदस्य नहीं बनेगा, क्योंकि वह परंपरागत रूप से अमेरिका का करीबी है। पुतिन ने नए सदस्यों को शामिल किए जाने को अंतरराष्ट्रीय मामलों में ब्रिक्स के बढ़ते प्रभाव और भूमिका का संकेत माना है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स ब्लॉक के सिद्धांतों को साझा करने वाले समर्थकों और देशों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पुतिन की मानें तो ब्रिक्स के सिद्धांतों में संप्रभु समानता, खुलापन, सर्वसम्मति और एक बहुध्रुवीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और एक निष्पक्ष वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली के निर्माण की आकांक्षा शामिल है। जानकार बताते हैं कि ब्रिक्स ब्लॉक वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक चौथाई का प्रतिनिधित्व करता है। दरअसल ब्रिक्स को सितंबर 2006 में स्थापित किया गया था।

रूस और भारत मिलकर खरीदेंगे दुनिया का सबसे बेकार हवाई अड्डा

-यह हवाई अड्डा श्रीलंका में स्थित है, जिसे चीन के पैसों से बनाया गया

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और रूस जल्द ही दुनिया के सबसे बेकार हवाई अड्डे को मिलकर खरीदने वाले हैं। यह हवाई अड्डा भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में स्थित है, जिसे चीन के पैसों से बनाया गया है। यह एयरपोर्ट श्रीलंका के मटाला शहर में स्थित है, जो हंबनटोटा बंदरगाह से लगभग 18 किलोमीटर दूर है। इसे मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा या हंबनटोटा हवाई अड्डा के नाम से भी जानते हैं। मिली जानकारी के अनुसार श्रीलंका ने हंबनटोटा बंदरगाह को चीन को कर्ज के बदले 99 साल की लीज पर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और रूस हंबनटोटा एयरपोर्ट को खरीदने के लिए एक ज्वाइंट वेंचर बना सकते हैं। इसका एकमात्र कारण हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना है। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार रूस ने श्रीलंका के मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को चलाने के लिए निजी कंपनियों को शामिल करते हुए भारत के साथ एक ज्वाइंट वेंचर में शामिल होने की इच्छा जताई है।

श्रीलंका में रूसी राजदूत लेवन एस दझागेरियन ने इस हवाई अड्डे को संचालित करने के लिए भारत के साथ एक ज्वाइंट वेंचर बनाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विचार थे, अगल-अलग प्रस्ताव थे, और सिर्फ हमारे विचारों को व्यक्त करने के लिए इस पर विचार किया जा सकता है। रूसी राजदूत ने श्रीलंका आने वाले रूसी पर्यटकों की बढ़ती संख्या का जिक्र करते हुए कहा कि मटाला हवाई अड्डे में उनकी रूचि का एक बड़ा कारण यह भी है। दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा रूसी पर्यटक भारत आते हैं और दूसरे पर श्रीलंका का स्थान है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि 2024 में करीब 12 लाख रूसी नागरिक टूरिस्ट वीजा पर श्रीलंका पहुंचेंगे।

गौरतलब है कि मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मटाला शहर में है, जो हंबनटोटा बंदरगाह के पास है। यह श्रीलंका का पहला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है। एमआरआईए कोलंबो के रतमलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद श्रीलंका का तीसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। जानकारी के अनुसार मटाला राजपक्षे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को 2013 में तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने खोला था। शुरुआत में कई एयरलाइनों ने इस हवाई अड्डे में रूचि दिखाई और उड़ाने शुरू की, लेकिन कम कमाई के कारण धीरे-धीरे उनकी संख्या में कमी होने लगी। श्रीलंका ने इस एयरपोर्ट से कॉमर्शियल एक्टिविटी में रूचि रखने वाली कंपनियों से बोलियां आमंत्रित की, जिसका जवाब सिर्फ भारत ने दिया।

भारतीय सेना में 2020 के बाद से भर्ती नहीं हुए नेपाली गोरखा

काठमांडू (एजेंसी)। भारतीय सेना में नेपाली सैनिकों की भर्ती बंद है, अब यह इतिहास की बात हो सकती है। दरअसल 2020 से कोविड महामारी के कारण नेपाली गोरखाओं की भर्ती रुकी हुई है। जानकारी के अनुसार भारतीय सेना में नेपाली सैनिकों की भर्ती फिर से शुरू नहीं हुई है। इसके बजाय, पिछले साल अग्निपथ (भारतीय सेना की चार साल की भर्ती योजना) ने इसे अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है जब तक कि नेपाल के राजनीतिक दल नई योजना पर आम सहमति नहीं बना लेते हैं, भर्ती शुरु नहीं होगी। इन ?दिनों 1971 के युद्ध के दौरान सेना प्रमुख रहे दिवंगत फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की बायोपिक एक महीने से चल रही है। सैम बहादुर नाम की इस बायोपिक को लोगों ने खूब पसंद भी किया है। सैम मानेकशॉ भारतीय सेना के गोरखा रेजिमेंट से जुड़े हुए थे। यह वही रेजिमेंट है, जिसकी जड़ें नेपाल से भी जुड़ी हुई हैं। हालां?कि जानकार बताते हैं ?कि भारत में नेपाली गोरखाओं का इतिहास 100 साल से भी पुराना है। भारत की सात गोरखा राइफल्स रेजिमेंटों का इतिहास 19वीं शताब्दी की शुरुआत से है जब उन्होंने महाराजा रणजीत सिंह के अधीन सिख सेना में सेवा की थी।

नेपाल-सिख युद्ध में अपनी सेना के विरुद्ध गोरखाओं के प्रदर्शन से महाराजा इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने गोरखाओं की हार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया। आज तक, नेपाल के गोरखा जो विदेशों में सेवा करते हैं, उन्हें लाहोर्स कहा जाता है, जो सिख साम्राज्य की राजधानी लाहौर से लिया गया है। भारत की स्वतंत्रता के बाद, उस समय की 10 गोरखा रेजिमेंटों में से छह भारत आ गईं और बाकी ब्रिटिश सेना के पास रहीं। चार ब्रिटिश गोरखा रेजिमेंट के सैनिक जो स्वतंत्र भारत की सेवा करना चाहते थे, उन्हें 11वीं गोरखा राइफल्स (11जीआर) के नाम से एक अलग रेजिमेंट के रुप में स्थापित किया गया। यह भारत की सातवीं गोरखा रेजिमेंट बनी। इन सात भारतीय गोरखा रेजिमेंटों में कुल मिलाकर लगभग 850 गोरखाओं की 39 बटालियन हैं। बता दें ?कि गोरखा अन्य रेजिमेंटों में भी काम करते हैं।

नेपाली गोरखाओं को भारतीय गोरखा से नहीं बदला गया

भारत और यूनाइटेड किंगडम 1947 में नेपाल के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते के आधार पर नेपाल से सैनिकों की भर्ती करते हैं। इसके अलावा यूनाइटेड किंगडन नेपाल के गोरखाओं की भर्ती सिंगापुर की पुलिस और ब्रुनेई के सैनिकों के लिए भी करता है। भारतीय सेना ने अतीत में इन रेजिमेंटों को स्वदेशी बनाने के प्रस्तावों को इस कारण खारिज कर दिया था, क्योंकि तब तक भारत और नेपाल के बीच समझौता टूटा नहीं था। आजादी के बाद भी जलियांवाला बाग हत्याकांड में शामिल 9वीं गोरखा राइफल्स को भंग नहीं किया गया था। लेकिन, 2016 में पहली गोरखा राइफल्स की 6वीं बटालियन की स्थापना केवल भारतीय गोरखा सैनिकों के साथ की गई थी।

महुआ मोइत्रा पर पूर्व प्रेमी ने लगाया जासूसी करवाने का आरोप

-मुश्किल में मोइत्रा की और बढ़ेंगी मुश्किलें?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर उनके पूर्व प्रेमी ने जासूसी करवाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसके लिए सीबीआई जांच की मांग की है। इस तरह से महुआ अब एक नए विवाद में घिरती नजर आ रही हैं। संसद में सवाल पूछने के बदले पैसे लेने के मामले में लोकसभा सदस्यता गंवा चुकीं मोइत्रा पर वरिष्ठ अधिवक्ता जय अनंत देहाद्राई ने बंगाल पुलिस की मदद से अवैध निगरानी करवाने का आरोप लगाया है। दरअसल देहाद्राई ने ही मोइत्रा पर सवाल के बदले पैसे लेने के आरोप लगाए थे, जिसके चलते उन्हें लोकसभा की सदस्यता से हाथ धोना पड़ा था। सीबीआई और गृह मंत्रालय को दिए एक शिकायत में सुप्रीम कोर्ट के वकील ने आरोप लगाया कि मोइत्रा ने अवैध रूप से अपने पूर्व प्रेमी के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) प्राप्त किए थे, क्योंकि उन्हें शक था कि उसका एक जर्मन महिला से अफेयर चल रहा था। यह महिला एक बड़ी सोशल मीडिया कंपनी की वरिष्ठ अधिकारी बताई जा रही है। अधिवक्ता देहाद्राई ने अपनी शिकायत में कुछ चैट के स्क्रीनशॉट और एक कथित सीडीआर सूची संलग्न करते हुए कहा कि मुझे यह जानकर हैरानी हुई कि मोइत्रा के पास बंगाल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मदद से उसके पूर्व प्रेमी का पूरी सीडीआर हिस्ट्री थी, जिसमें उसे उन लोगों के बारे में सटीक जानकारी थी जो उसके पूर्व प्रेमी के संपर्क में थे। देहाद्राई ने अपनी जान को खतरा जताते हुए कहा कि इसमें दिन के चौबीसों घंटे उनके फोन के सटीक लोकेशन की भी जानकारी थी। उनके पास यह मानने के बड़े मजबूत कारण हैं कि मोइत्रा उन पर अवैध निगरानी रखने के लिए बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर रही थीं। इधर ताजा आरोपों और सीबीआई जांच की मांग का जवाब देते हुए महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि मैं गृह मंत्रालय से आग्रह करती हूं कि भारत के सभी एक्स बॉयफ्रेंड्स की शिकायतों की जांच के लिए विशेष सीबीआई निदेशक नियुक्त किया जाए। इस शिकायत पर सभी पीपिंग टॉम्स सीसीडी के शहंशाह को देखकर खुशी हुई। उन्होंने गुजरात में अपने साहब की सुरक्षा के लिए अपने निगरानी कौशल को निखारा। इसकी तह तक भी जा सकते हैं।

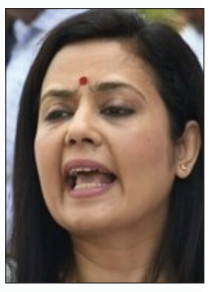

बाबरी मस्जिद मामले में गिरफ्तारी को लेकर बीजेपी का प्रदर्शन, हिंदुओं के खिलाफ साजिश करार दिया

बेंगलुरु। कर्नाटक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद हुए दंगों में शामिल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध हुबली में आयोजित किया गया था, जहां 50 वर्षीय आरोपी पुजारी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। विरोध के मद्देनजर पुलिस ने कहा कि उन्होंने हुबली और राज्य के अन्य हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पार्टी द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शन को देखते हुए हमने विरोध स्थल और उसके आसपास व्यापक इंतजाम किए हैं। अवैध शराब, दंगे और अन्य मामलों से संबंधित लगभग 13 मामले उठाए गए हैं। पुजारी को उत्तर प्रदेश में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के 31 साल बाद सोमवार को गिरफ्तार किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप देशव्यापी दंगे हुए थे। कर्नाटक पुलिस ने दावा किया कि गिरफ्तारी एक नियमित अभियान था और उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया था क्योंकि उसके मामले को लंबे समय से लंबित बताया गया था। भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर हिंदू कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया और गिरफ्तारी को हिंदुओं के खिलाफ साजिश करार दिया।

नए साल में मिली खुशखबरी, कूनो नेशनल पार्क में गूंजी चीता शावकों की किलकारी

नई दिल्ली। स्थानांतरित नामीबियाई चीतों में से एक 'आशा' ने मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में तीन शावकों को जन्म दिया। इस घटनाक्रम को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने साझा किया, जिन्होंने एक्स पर नवजात शावकों का एक दिल छू लेने वाला वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कूनो नेशनल पार्क ने तीन नए सदस्यों का स्वागत किया है। शावकों का जन्म नामीबियाई चीता आशा से हुआ है। यह परियोजना चीता के लिए एक बड़ी सफलता है, जिसकी परिकल्पना पीएम नरेंद्र मोदी जी ने पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए की थी। केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा कि परियोजना में शामिल सभी विशेषज्ञों, कुनो वन्यजीव अधिकारियों और भारत भर के वन्यजीव उत्साही लोगों को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई। मार्च 2023 में, एक और चीता, सियाया, जिसे बाद में ज्वाला नाम दिया गया, ने चार शावकों को जन्म दिया था। हालाँकि, उनमें से केवल एक ही जीवित बचा। ज्वाला को भी नामीबिया से केएनपी में स्थानांतरित किया गया था। 21 दिसंबर को, वन अधिकारियों ने मध्य प्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में एक और स्थानांतरित अफ्रीकी चीता को जंगल में फिर से पेश किया। यह बाड़ों से बाहर निकलने वाली चौथी बड़ी बिल्ली थी, जहां जानवरों को जुलाई-अगस्त में ही सीमित कर दिया गया था क्योंकि मौतों की एक श्रृंखला ने मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना चीता पर संदेह पैदा कर दिया था।

कैदियों को जाति के आधार पर दिया जाता है काम, सुप्रीम कोर्ट में याचिका के बाद महाराष्ट्र समेत 11 राज्यों को नोटिस

मुंबई। देश की कई जेलों में कैदियों को उनकी जाति के आधार पर नौकरी दी जाती है, इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी. इसके आधार पर कोर्ट ने केंद्र सरकार और महाराष्ट्र समेत 11 राज्यों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है. महाराष्ट्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट ने कहा कि नोटिस तामील कराते वक्त कैदी के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता. सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति डी.वाई चंद्रचूड़, जे. बी.पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ वकील एस. मुरलीधर के बयान पर संज्ञान लिया. मुरलीधर ने कोर्ट में याचिका पर बहस करते हुए कहा कि 11 राज्यों की कई जेलों में काम के बंटवारे और जाति के आधार पर भेदभाव होता है. कैदियों का स्थान जाति के आधार पर तय किया जाता है। कोर्ट के समक्ष जानकारी पेश की गई कि उनके साथ इसी तरह का व्यवहार किया जा रहा है. कोर्ट ने इस संबंध में सारी जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है और इस पर 4 हफ्ते बाद सुनवाई होगी. सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि जाति के आधार पर भेदभाव की बात सुनने में नहीं आई है. केवल विचाराधीन कैदियों और दोषियों को बाहर रखा गया है। इसमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं।

5 करोड़ खपाने के बाद, 50 लाख के नकली नोट के साथ 3 लोग गिरफ्तार

बदायूं। देशभर में बड़ी तादाद में नकली नोट मिलने का सिलसिला जारी है। यूपी के बदायूं से 50 लाख के नकली नोट के साथ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने बीते पांच साल में पांच करोड़ के नकली नोट बाजार में खपा दिए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तीनों आरोपी बदायूं के ही रहने वाले हैं। इनके पास से तकरीबन 50 लाख रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। तीनों आरोपी 500-500 के नकली नोट बाजार में खपाने जा रहे थे। इतना ही नहीं बल्कि ये बीते पांच सालों में पांच करोड़ के नकली नोट बाजार में चला चुके हैं। आरोपियों में से एक अंडर-ट्रेनिंग बीयूएमएस डॉक्टर और एक सीएससी सेंटर का मालिक बताया जा रहा है। खु?फिया जानकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस को कुछ दिनों पहले सूचना मिली थी कि एक आसिफ नाम का युवक बाजार में नकली नोट का कारोबार चला रहा है। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी थी। इस बीच पुलिस को जानकारी मिली कि आसिफ बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर दिल्ली के अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास पहुंच रहा है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए ट्रैप लगाया। आरोपियों को रविवार रात करीब 10 बजे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आसिफ की गाड़ी टीयूवी की जांच की, तो उसमें 500-500 के लगभग 50 लाख के नकली नोट मिले।

नीतीश कुमार बन सकते हैं इंडिया गठबंधन के संयोजक, तेजस्वी को होगा सियासी फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों काफी चर्चा में है। माना जा रहा है कि उन्हे इंडिया गठबंधन का संयोजक बनाया जा सकता है। इसका एलान आज बुधवार को हो रही इंडिया गठबंधन की बैठक में इसका एलान हो सकता है। इससे माना जा रहा है कि नीतीश के संयोजक बनने से जहां गठबंधन को फायदा होगा वहीं, लालू के लाल तेजस्वी यादव का सीएम बनने का रास्ता साफ हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के विजयी रथ को रोकने के लिए तैयार विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत चल रही है। बुधवार को एक वर्चुअल बैठक होने की उम्मीद है, जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गठबंधन का राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया सकता है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इंडिया गठबंधन का अध्यक्ष या चेयरपर्सन नियुक्त किए जाने की भी चर्चा है।

एक कांग्रेस नेता ने कहा, राहुल गांधी एक महत्वपूर्ण यात्रा पर निकल रहे हैं, हम यात्रा की गति को जारी रखना चाहते हैं। अगर नीतीश कुमार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में चले जाते हैं तो विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास विफल हो जाएगा। इंडिया गठबंधन के अधिकांश सदस्य इस बात से चिंतित हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष या चेयरपर्सन का पद खड़गे के पास रखकर गठबंधन में अग्रणी पार्टी के रूप में अपनी प्रधानता बनाए रखेगी। आरजेडी शुरू में नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन में संयोजक का पद पाने के लिए उत्सुक नहीं थी, लेकिन अब उसने भी इस पर विचार करना शुरू कर दिया है। आरजेडी को उम्मीद है कि बिहार के मुख्यमंत्री का राष्ट्रीय राजनीति पर अधिक ध्यान केंद्रित करने से बिहार की बागडोर तेजस्वी यादव के हाथों में आ सकती है। पार्टी के एक नेता ने कहा, राजद पर कुछ समय से जदयू खेमे की ओर से एक साथ चुनाव के लिए नीतीश कुमार के विचार पर सहमत होने के लिए दबाव है। नीतीश कुमार राजद को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ हुए तो महागठबंधन न केवल लोकसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर सकता है।

इंडिया गठबंधन के एक सूत्र ने कहा, लालू प्रसाद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ नीतीश कुमार 25-30 सीटें जीतने की स्थिति में हैं। चूंकि नीतीश विपक्षी एकता के प्रमुख प्रेरक थे, इसलिए उन्हें उचित महत्व दिया जाना चाहिए। अगर उन्हें संयोजक बनाया भी गया तो इसका मतलब यह नहीं कि वह पीएम पद के उम्मीदवार हैं।हालांकि जेडीयू ने आधिकारिक तौर पर नीतीश कुमार को गठबंधन का संयोजक नियुक्त किए जाने की संभावना के बारे में चुप्पी साध रखी है। पार्टी के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा, हमने कांग्रेस की तरफ से इस विषय पर कुछ नहीं सुना है। लेकिन हम ऐसे किसी भी कदम का स्वागत करेंगे। खड़गे को अगर अध्यक्ष बनाया जाता है तो यह एक अच्छा कार्ड साबित होगा क्योंकि वह दलित हैं।

सीएम केजरीवाल का आदेश...ईडी अपना समन वापस लो

-भाजपा का आरोप आजाद भारत में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने ईडी द्वारा भेज गए तीसरे नोटिस के बावजूद जांच एजेंसी के सामने पेश होने की बजाय ईडी को समन वापस लेने का पत्र लिखने के लिए सीएम अरविंद केजरीवाल की आलोचना कर कहा कि आजाद भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ होगा कि किसी ने जांच एजेंसी को कहा हो कि मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि अपना समन वापस लो। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि जो केजरीवाल यह कहते हुए राजनीति में आए थे कि अगर किसी पर आरोप लगे तब उस तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए, वहीं केजरीवाल आज ईडी को समन वापस लेने को कह रहे हैं। भाटिया ने कहा कि ईडी उन्हें नवंबर 2023 में जब पहला समन भेजती है, तब वे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का बहाना बना लेते हैं। जब दूसरा समन दिसंबर 2023 में भेजा गया तब उन्होंने विपश्यना योग का बहाना बना लिया। फिर उन्हें जब तीसरा समन भेजा गया और यह उम्मीद की जा रही थी कि अगर कानून के प्रति उनके मन में सम्मान जीवित हैं और उनमें थोड़ी भी मर्यादा बची है, तब वे ईडी के सामने जाकर, सारे सवालों के जवाब दें, क्योंकि अगर उन्होंने बेईमानी नहीं की है, तब फिर डरना कैसा? लेकिन ईडी के सामने पेश होने की बजाय वे पत्र लिखकर समन वापस लेने को कह रहे हैं।

फिलहाल लागू नहीं होगा हिट एंड रन कानून, गृह सचिव ने दिया आश्वासन

-सरकार और ट्रांसपोर्टरों के बीच हुई सुलह, ट्रक ड्राइवरों से हड़ताल वापस लेने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिट एंड रन कानून फिलहाल लागू नहीं होगा, इसे जब भी लागू करेंगे तो संगठन से चर्चा की जाएगी। इस तरह के आश्वासन के साथ केन्द्रीय गृह सचिव ने ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इस तरह से हिट एंड रन केस के लिए नए कानून को लेकर सरकार और ट्रांसपोर्टरों में सुलह हो गई है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के प्रतिनिधियों और सरकार के बीच हुई बातचीत सफल बताई जा रही है। इधर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने कहा है कि ट्रक ड्राइवर अपनी हड़ताल वापस लें और काम पर लौट आएं। ट्रांसपोर्ट संगठन ने देशभर के ड्राइवरों से हड़ताल वापस लेने को कहा है। सरकार की तरफ से संगठन को आश्वसान दिया गया है कि फिलहाल कानून को लागू नहीं किया जाएगा और जब भी इसे लागू किया जाएगा तो संगठन से चर्चा की जाएगी। इसके बाद ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने ड्राइवरों से हड़ताल खत्म करने की अपील की है। देशभर में मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत हिट-एंड-रन केस के मामलों के लिए नए कानून का विरोध हो रहा है। देशभर में बड़े वाहनों के ड्राइवर हड़ताल पर हैं और नए कानून को लागू नहीं करने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर मंगलवार शाम को गृह मंत्रालय में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला के साथ ट्रासंपोर्ट संगठन की बैठक हुई।

बैठक में आश्वासन मिलने पर संगठन हड़ताल वापस लेने को सहमत हो गया है। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के चेयरमैन मलकीत सिंह बल ने बताया कि 106 (2) जिसमें 10 साल की सजा है और जुर्माना है, वह कानून लागू नहीं होने देंगे। सभी संगठन की चिंता लेकर हम भारत सरकार के पास पहुंचे। नए कानून में जो 10 साल की सजा और जुर्माना, अभी लागू नहीं है। हम ड्राइवरों को आश्वासन दिलाते हैं कि यह कानून लागू नहीं होने देंगे। हमने अपील की है कि हड़ताल वापस हो। सभी ड्राइवर अपने वाहनों पर वापस लौटें। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता के मसले पर हमारी मुलाकात और बातचीत हुई, अब हमें कोई दिक्कत नहीं है। सारे मसलों का समाधान हो गया है। नए कानून लागू नहीं हुए हैं। कानून को लागू करने से पहले ऑल इंडिया ट्रांसपोर्ट कांग्रेस से सलाह मशवरा किया जाएगा।

उधर केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने बताया कि ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस से दस साल की सजा वाले कानून पर चर्चा हुई है। ये कानून अभी लागू नहीं हुआ है। इसे लागू करने से पहले एआईएमटीसी से चर्चा करेंगे और इसके बाद ये लागू किया जाएगा। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के अध्यक्ष अमृत लाल मदान ने कहा कि आप सिर्फ ड्राइवर नहीं हैं, हमारे सैनिक हैं। हम नहीं चाहते कि आपको किसी असुविधा का सामना करना पड़े। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दस साल की सजा और जुर्माने कानून को फिलहाल रोक दिया है।

भारत-नेपाल 7वीं संयुक्त आयोग बैठक, काठमांडू पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने और कनेक्टिविटी और विकास सहित सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर नेपाली नेतृत्व के साथ बातचीत करने के लिए 4-5 जनवरी को नेपाल का दौरा करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के तहत दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करना है। यात्रा के दौरान बिजली खरीद, कनेक्टिविटी और व्यापार जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। भारतीय सहायता से पूरी हुई कुछ विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया जा सकता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने और कनेक्टिविटी से लेकर क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए काठमांडू में नेतृत्व के साथ बातचीत करने के लिए 4-5 जनवरी के दौरान नेपाल की वर्ष की अपनी पहली विदेश यात्रा करेंगे। जयशंकर विदेश मंत्री एनपी सऊद के निमंत्रण पर नेपाल का दौरा कर रहे हैं, जो उनके साथ संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे, जिसे 1987 में स्थापित किया गया था और यह द्विपक्षीय के सभी पहलुओं की समीक्षा करने के लिए दोनों विदेश मंत्रियों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यात्रा की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान, जयशंकर नेपाल के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे और प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से मुलाकात करेंगे। नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत नेपाल भारत का प्राथमिकता वाला भागीदार है। बयान में कहा गया कि यह यात्रा दो करीबी और मैत्रीपूर्ण पड़ोसियों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को ध्यान में रखते हुए है।

स्वागत में पुष्पगुच्छ की जगह लाएं किताबें : रेणुका सिंह

-संसाधनों से वंचित विद्यार्थियों का शिक्षा स्तर बढ़ाने, विधायक ने दिया बल

मनेन्द्रगढ़। (एजेंसी)। भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका ने कहा है कि उनके स्वागत में गुलदस्ते की बजाय ऐसी किताबें दी जायें, जिसे बच्चे पढ़ सकें। सोशल मीडिया पर विनम्र अपील लिखते हुए विधायक रेणुका सिंह ने यह गुलदस्ते कुछ देर बाद ही ये मुरझा जाते है। उसकी जगह विद्यार्थियों के लिए उपयोगी किताबें या स्टेशनरी (कॉपी-कलम आदि) दें तो ज्यादा अच्छा होगा। आइए, हम साथ मिलकर ज्ञान का प्रकाश फैलाएं। यह अपील इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय और अन्य मंत्रियों ने कई बार गुलदस्तों की जगह सिर्फ एक फूल देकर स्वागत करने की अपील की और इस अपील का असर धीरे-धीरे हो भी रहा है। स्वागत और मुलाकात में बुके देने की बजाय बुक देने की अपील का मकसद बताते हुए रेणुका सिंह ने बताया कि जब भी लोग मिलने के लिए आते है, तो साथ में फूलों का गुलदस्ता लेकर आते हैं। लेकिन, उनके जाने के कुछ देर बाद ही ये मुरझा जाते है। इसलिए मिलने के लिए आने वाले सभी लोगों से मेरा यह आग्रह है कि आप मुझसे अब जब भी मिलने आएं तो कृपया फूल या बुके लेकर न आएं। उसकी जगह विद्यार्थियों के लिए उपयोगी किताबें या स्टेशनरी लायें तो ज्यादा अच्छा होगा। विधायक रेणुका सिंह का कहना है कि मेरा विधानसभा क्षेत्र भरतपुर सोनहत क्षेत्रफल के लिहाज से प्रदेश का सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र है। यहां शिक्षा का स्तर बढ़ाने की जरूरत है। जो बच्चे किताब कॉपी या संसाधनों की कमी की वजह से पढाई नहीं कर पाते हैं उनके लिए यह सहयोग है जो आपको हमको और हम सबको करना चाहिए।

विभिन्न मांगों को लेकर किसान मजदूर संगठन 13 फरवरी को करेंगे प्रदर्शन

-18 किसान मजदूर संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा ने किया दिल्ली में प्रदर्शन की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार की कृषि नीति के खिलाफ उत्तर भारत के 18 किसान मजदूर संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) ने 13 फरवरी को दिल्ली कूच के लिए जंडियाला गुरु अनाज मंडी मे बिगुल बजाकर घोषणा की।

किसान नेताओं ने कहा कि केंद्र में जितनी भी सरकारें आई, उन्होंने देश के सभी प्रकार के संसाधनों को देशी-विदेशी कॉरपोरेट घरानों के हाथों बेचने की नीति के तहत काम किया है। पिछले 10 वर्षों तक भाजपा सरकार पिछली सरकारों से आगे बढ़कर देश की जमीन और कृषि क्षेत्र पर कब्जा करने की नीति के तहत काम कर रही है।बताया गया है कि केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के किसान मजदूर आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं।

किसान संगठन की मांग है कि सभी फसलों की खरीद पर एमएसपी गारंटी कानून बनाकर फसलों के दाम स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सी-2 + 50 प्रतिशत के फार्मूले के साथ दिया जाए, सरकार द्वारा फसल बीमा योजना लागू की जाए, किसानों और खेत मजदूरों को पूर्ण ऋण मुक्ति की जाए, भूमि अधिग्रहण में वर्ष 2015 के दौरान किए गए संशोधन को निरस्त कर 2013 के रूप में लागू किया जाए, भारत को विश्व व्यापार संगठन के साथ किए गए समझौतों से बाहर निकाला जाए तथा भारतीय किसानों की पूरी फसल प्राथमिकता के आधार पर खरीदी जाए, 58 वर्ष की आयु वाले किसानों और खेत मजदूरों के लिए 10 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन योजना बनाई जाए, बिजली बिल 2020 को पूरी तरह से खारिज किया जाए, लखीमपुर खीरी हत्याकांड के मामलें में पीड़ितों को न्याय दिया जाए, दिल्ली मोर्चे के दौरान दर्ज किए गए पुलिस मुकदमे रद्द किए जाएं, वादे के मुताबिक शहीद हुए किसानों के परिवारों को मुआवजा और नौकरी दी जाए।

रैली में प्रस्ताव पारित कर मांग की गई कि नशे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और पीड़ित युवाओं का इलाज किया जाए। इन युवाओं का पुनर्वास किया जाए, आबादकार किसानों मजदूरों को जमीन के मालिकाना हक देने के लिए कानून बनाया जाए, अटारी बॉर्डर को कृषि उत्पादों और सभी प्रकार के व्यापार के लिए खोला जाए, जो इंडस्ट्री कृषि से जुड़ी हुई है उसे बंद करने की बजाय बढ़ाया जाए, धूरी मिल, सेरो गन्ना मिल और अन्य नरमे से जुड़े उद्योग कायम रहना चाहिए। रैली में बाबा गुरनाम सिंह द्वारा लखीमपुर हत्याकांड के आरोपी अजय मिश्रा को लखीमपुर के गुरुद्वारा साहिब से दिए गए सम्मान की निंदा की गई।

सीएए को लेकर फिर शुरू हुई राजनीति, येचुरी ने बताया बीजेपी का चुनावी दांव, ओवैसी बोले- यह संविधान विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के नियमों को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अधिसूचित किया जाएगा। यही कारण है कि अब सीएए को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि यह हाशिए पर रहने वाले समुदायों, खासकर मुसलमानों के लिए गंभीर अन्याय होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में पारित कानून ÷संविधान विरोधी÷ था क्योंकि यह धर्म के आधार पर बनाया गया था। उन्होंने कहा कि सीएए संविधान विरोधी है। सीएए को एनपीआर-एनआरसी के साथ पढ़ा और समझा जाना चाहिए जो इस देश में आपकी नागरिकता साबित करने के लिए शर्तें तय करेगा।

ओवैसी ने साफ तौर पर कहा कि यदि ऐसा हुआ तो यह घोर अन्याय होगा, खासकर मुसलमानों, दलितों और भारत के गरीबों के साथ, चाहे वे किसी भी जाति या धर्म के हों। सीपीआई(एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने दावा किया कि केंद्र लोकसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब यह स्पष्ट है। इतने वर्षों तक...इन नियमों (सीएए) को अधिसूचित नहीं किया गया...स्पष्ट रूप से, वे चुनावों से ठीक पहले इन नियमों को अधिसूचित करना चाहते हैं ताकि इसे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण को तेज करके चुनावों में लाभ उठाने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कुछ चुनावी लाभ के लिए नियमों और घोषणाओं को एक उपकरण के रूप में उपयोग कर रहा है। जानकारी के मुताबिक एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के नियमों को लोकसभा चुनाव की घोषणा से ÷काफी पहले÷ अधिसूचित किया जाएगा। पदाधिकारी ने कहा, ÷हम जल्द ही सीएए के लिए नियम जारी करने जा रहे हैं। एक बार नियम जारी होने के बाद, कानून लागू किया जा सकता है और पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता दी जा सकती है।÷ नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए सीएए के नियमों का उद्देश्य बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों - जिनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शामिल हैं - को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है। पिछले महीने, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया था कि सीएए के कार्यान्वयन को कोई नहीं रोक सकता क्योंकि यह देश का कानून है। कोलकाता में एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा सीएए को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया था। टीएमसी नेता इस कानून के आने के बाद से ही इसका विरोध कर रहे हैं। बहुप्रतीक्षित सीएए को लागू करने का आश्वासन पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनावी एजेंडा था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वराछा के जगदीश नगर में उल्टी -दस्त की बिमारी फैलने से हडकंप मचा

पांच से छह मामले सामने आते ही वराछा के प्रशासनिक तंत्र और स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया

ड्रेनेज लाइन की शिफ्टिंग के दौरान लीकेज के कारण निजी बोरों में सीवेज मिलने से समस्या उत्पन्न हुई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर के वराछा जोन क्षेत्र में शामिल जगदीश नगर सोसायटी में पिछले दो-तीन दिनों से नाली का पानी पीने के पानी में मिल जाने से पूरे क्षेत्र में उल्टी दस्त की बिमारी फैलने से काफी अफरा-तफरी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग समेत वराछा जोन का प्रशासनिक तंत्र हरकत में आ गया। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पूरे इलाके में सघन जांच की गई है। वहीं जोन के प्रशासनिक तंत्र ने पानी रिसाव का पता चलने के बाद इसकी मरम्मत का काम किया है। इसके अलावा स्थानीय लोगों को महामारी की आशंका को ध्यान में रखते हुए पिछले दो दिनों से टैंकरों से पीने का पानी वितरित किया जा रहा है।

सूत्रों से ज्ञात जानकारी के अनुसार वार्ड नं. १५ (करंज-मगोब) जगदीश नगर सोसायटी में पिछले दो-तीन दिनों से पीने के पानी की समस्या थी। ड्रेनेज लाइन का पानी पेयजल लाइन में मिल जाने के कारण क्षेत्र में पांच से छह लोगों को हैजा हो गया, जिससे क्षेत्रवासियों में दहशत फैल गई। जगदीश नगर में उल्टी दस्त की बिमारी फैलने की खबर इलाके में तेजी से फैलने से लोगों में भी डर का माहौल बन गया। पूरे घटनाक्रम के बाद वराछा जोन और स्वास्थ्य विभाग का प्रशासनिक तंत्र दौड़ता नजर आया। फिलहाल वराछा जोन प्रशासन की ओर से पानी की सैंपलिंग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से घर-घर सघन जांच की गई है और एक टीम को जगदीश नगर में स्टैंडबाय पर रखा गया है। पिछले दो दिनों से उत्पन्न इस समस्या को लेकर प्रशासनिक तंत्र ने युद्ध स्तर पर ड्रेनेज लीकेज की समस्या को दूर करने की कवायद की। दोपहर में लीकेज की समस्या दूर होने से स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली। वहीं, प्रशासन की ओर से हैजा महामारी की स्थिति को देखते हुए पिछले दो दिनों से पूरी सोसायटी में टैंकरों से पीने का पानी वितरित किया गया और स्थानीय लोगों से बोर के पानी का उपयोग न करने की अपील भी की गई।

मेट्रो की लापरवाही से फैली महामारी

सूरत शहर में मेट्रो परिचालन रात्रिकालीन यातायात समेत अन्य समस्याओं को लेकर चर्चा का केंद्र बन रहा है। वराछा जोन में भी जगदीश नगर में हैजा के मामले सामने आ चुके हैं, अब चर्चा है कि इसके लिए मेट्रो ऑपरेशन जिम्मेदार है। हाल ही में पता चला है कि इस इलाके में मेट्रो द्वारा ड्रेनेज लाइन की शिफ्टिंग का काम किया गया है. आरोप है कि वराछा जोन के अधिकारियों से समन्वय किए बिना मेट्रो ठेकेदार द्वारा ड्रेनेज लाइन में लीकेज के कारण यह पानी पेयजल लाइन में मिल गया है।

जगदीश नगर के निवासियों द्वारा निजी बोर का उपयोग

वराछा जोन-जगदीश नगर और आसपास की सोसायटी में ज्यादातर मजदूर वर्ग और मध्यम वर्ग के परिवार रहते हैं। यह भी ज्ञात हुआ है कि इस क्षेत्र के निवासियों ने अभी तक महानगर पालिका की पेयजल सुविधा का लाभ नहीं उठाया है। भवन स्वामियों और किरायेदारों के आवेदन में आलस्य के कारण नगर निगम द्वारा इस क्षेत्र में पेयजल लाइन नहीं बिछाई गई है। जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि यह समस्या उत्पन्न हुई है.

स्वास्थ्य विभाग की टीम स्टैंड बाई: मनीषा अहीर

जगदीश नगर में हैजा के पांच से छह मामले सामने आने के बाद सूरत नगर निगम स्वास्थ्य समिति की अध्यक्ष मनीषा अहीर ने भी आज सुबह क्षेत्र का दौरा किया। जहां उन्होंने वराछा जोन अधिकारी को तत्काल समस्या का समाधान करने की जानकारी भी दी - साथ ही स्वास्थ्य विभाग की टीम को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए. उन्होंने आगे कहा कि इस सोसायटी के निवासियों को मनपा की पेयजल सुविधा का लाभ उठाने के लिए सूचित किया जाएगा और यदि उन्हें इस संबंध में कोई समस्या है, तो उसका समाधान भी किया जाएगा।

मिलेनियम और एचटीसी मार्केट से धोखेबाजों द्वारा १० लाख में पार्टी पलायन

पांडेसरा के बुनकरों से दलालों के माध्यम से माल लेकर बिना पैसे दिए हाथ मल लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट और एचटीसी मार्केट के व्यापारी ने शहर के बमरोली क्षेत्र में उमा इंडस्ट्रीयल में खाता रखने वाले बुनकरों से दलाल के माध्यम से १० लाख रुपये का ग्रे कपड़ा खरीदा। हालांकि ठग ग्रे माल के पैसे देने की बजाय पार्टी पलायन गए। पीड़ित विविर्स ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने दलाल और दो व्यापारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकर दी है।

मुकेशकुमार भगवानदास पटेल, बाजीपुरा गांव, विसनगर, मेहसाणा के मूल निवासी हैं और वर्तमान में सूरत शहर में कनकपुर कंसाड गुजरात हाउसिंग बोर्ड वीर नर्मद हाइट्स -१ तापी अपार्टमेंट में रहते हैं, उनका बमरोली में उमा इंडस्ट्रियल सोसायटी में दिशा टेक्सटाइल्स के नाम पर एक करघा खाता है। अप्रैल २०२२ में भाठेना मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट-४ में श्री श्याम साड़ी सेंटर के धनराज , रिंग रोड एचटीसी मार्केट में संस्कृति फैशन के रमेश जोशी, ने कपड़ा दलाल राकेश के माध्यम से समयपर पेमेन्ट करने का विश्वास देकर १०,०१,९९४ रुपये का ग्रे कपड़े का सामान खरीदा। मार्केट के नियमों के अनुसार निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं करने पर मुकेश कुमार ने बकाया पेमेन्ट की मांग की तो शुरुआत में भुगतान का झूठा वादा करने के बाद मोबाइल फोन और दुकान बंद कर दी और रफुचक्कर हो गये। पांडेसरा पुलिस ने मुकेशकुमार की शिकायत पर कारोबारी और दलाल दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

आप का प्रदर्शन,४५० रुपये में गैस सिलेंडर और महिला सम्मान निधि की मांग, शहर अध्यक्ष हिरासत में

आम आदमी पार्टी ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी ने कापोद्रा इलाके में बड़ौदा प्रेस्टीज के पास सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया.

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा शासन में आसमान छूती महंगाई से गुजरात की जनता को राहत दिलाने के लिए जनहित योजनाओं की घोषणा की थी। उस वक्त बीजेपी नेता उन्हें रेवड़ी कहकर बुला रहे थे। भाजपा राजस्थान और मध्य प्रदेश में महिलाओं को ४५० रुपये में गैस सिलेंडर और महिलाओं को १००० रुपये प्रति माह दे रही है। वहीं, गुजरात में २८ साल से बीजेपी की सरकार है, लेकिन गुजरात की जनता और खासकर गुजरात की महिलाओं को बीजेपी सरकार ने कोई लाभ नहीं दिया है।

सूरत शहर अध्यक्ष महेंद्र नावडिया ने कहा कि भाजपा की इस दोहरी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। गुजरात के सभी लोगों को ४५० रुपये में गैस सिलेंडर और हर महिला को ३००० रुपये सम्मान राशि देने की मांग की गई है। गुजरात के लोगों के साथ वर्षों से अन्याय हुआ है, भले ही लोगों ने बड़ी संख्या में भाजपा को वोट दिया हो। गुजरात की जनता का क्या हाल है?, गुजरात की जनता को क्यों लूटा जा रहा है? बीजेपी सरकार गुजरात में लोकतंत्र का दमन कर रही है, हमें हिरासत में लिया गया है। हम जनता की आवाज बनकर सरकार तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने हमारी आवाज को दबाने की कोशिश की है।

आम आदमी पार्टी सूरत की विपक्षी नेता पायल सकारिया, शहर अध्यक्ष और अन्य नेता और कार्यकर्ता हाथों में कटआउट लेकर अलग-अलग रैलियां निकालकर हीरबाग इलाके में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी बीच उन्हें हिरासत में ले लिया गया। कापोद्रा पुलिस ने आम आदमी पार्टी के ३० से अधिक नेता और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया।

नगर निगम में विपक्षी दल की नेता पायल सकारिया ने कहा कि अगर देश में हर जगह कानून एक जैसे हैं तो लाभ भी एक जैसा होना चाहिए। जब राजस्थान समेत अन्य राज्यों में गैस सस्ती मिलती है तो गुजरात में क्यों नहीं? साथ ही महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन मिलना चाहिए। इस बात को लेकर हमने विरोध किया की गुजरात के लोगों के साथ भाजपा सरकार अन्याय कर रही है।

२०माह के ब्रेन डेड रियांश के अंगदान से पांच बच्चों को नया जीवन दिया

सूरत से मुंबई तक ग्रीन कोरिडोर करके अंगो को समय पर पहुंचाया गया

ब्रेनडेड रियांश को श्रध्दांजली देता परिवार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। नए साल की शुरुआत में डोनेट लाइफ संस्था की ओर से सूरत के एक बीस माह के बच्चे के अंग दान किए गए। श्री सुरति मोढ़ा वणिक समाज के गज्जर के परिवार ने २० माह के ब्रेन डेड रियांश की किडनी, लीवर और आंखें दान कर पांच बच्चों को नया जीवन दिया और समाज को नई दिशा दिखाई। मुंबई के नानावती अस्पताल में १२ साल के एक बच्चे में लिवर ट्रांसप्लांट किया जाएगा, अहमदाबाद के आईकेडीआरसी में दो जरूरतमंद बच्चों में किडनी प्रत्यारोपण किया जाएगा। सूरत से मुंबई अस्पताल तक अंगो को पहुचाने सूरत, गुजरात और महाराष्ट्र पुलिस की मदद से ग्रीन कोरिडोर का उपयोग किया गया। घटना के विवरण के बारे में डोनेट लाईफ संस्था के निलेश मांडलेवाला ने जानकारी देते हुए कहा कि बी१, १०४, ओंकार रेजीडेंसी, पालनपुर-कैनाल रोड, सूरत निवाली यश अजय कुमार गज्जर निजी बैंक में होम लोन विभाग में सेल्स एक्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत है। २८ दिसंबर को शाम ७:०० बजे अपने घर की पहली मंजिल से बीस महीने का बेटा रियांश दुर्घटनावश नीचे गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। पिता यश और परिवार के अन्य सदस्य रियांश को तुरंत हॉस्पिटल ले गए। १ जनवरी को बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मेहुल पंचोली, डॉ. फोरम वाघेला, डॉ. पूजा मांकडिया, और न्यूरोफिजिशियन डॉ. मयंक देत्रोजा ने रियांश को ब्रेन डेड घोषित किया।

गज्जर परिवार के सुधीरभाई ने डोनेट लाइफ के संस्थापक नीलेश मांडलेवाला से संपर्क किया और उन्हें रियांश के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और रियांश के पिता यश, मां ध्वनि, दादा अजयकुमार, दादी मेघनाबेन, नानाजी राजेशभाई, नानी हर्षबेन, वरुणभाई, सुधीरभाई, गज्जर और परिवार के अन्य सदस्यों को अंग दान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में समझाया।

सुबह-सुबह कोहरा छाया,घने कोहरे के कारण वाहन चालकों को परेशानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जनवरी की शुरुआत में तापमान एक ही रात में २ डिग्री गिर गया, शहरवासीयों को हुआ ठंड का एहसास

सूरत में जनवरी की शुरुआत में ही तापमान गिर गया है। एक ही रात में तापमान २ डिग्री गिर गया है। ऐसे में शहरवासियों को ठंड का एहसास हो रहा है। कोहरे के साथ ठंडी हवाएं जारी रहने से तापमान में गिरावट देखी गई है।

जनवरी की शुरुआत के साथ ही एक ही रात में पारा २ डिग्री लुढ़क गया है। वहीं अधिकतम तापमान में भी १ डिग्री की गिरावट आने से दिन ठंडा हो गया है। अगले दो दिनों में ठंड बढ़ेगी। शहर का अधिकतम तापमान २९.४ डिग्री और न्यूनतम १६.२ डिग्री दर्ज किया गया। वातावरण में आर्द्रता सुबह ९६ प्रतिशत और शाम को ६३ प्रतिशत दर्ज की गई। उत्तर दिशा से ७ किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं। न्यूनतम तापमान औसत से २ डिग्री अधिक है।